शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 318 | गुवाहाटी | शनिवार, 21 जून, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार को दी 5,918 करोड़ की सौगात पेज 2
कॉटन यूनिवर्सिटी के कुलपति को एनसीसी में मानद कर्नल की उपाधि पेज 3
सेवा, सुशासन और विकास के ब्रांड एंबेसडर हैं सीएम योगी : नंदी पेज 5
मेसी के फ्री-किक गोल से इंटर मियामी ने पोर्टो को 2-1 से हराया पेज 7

चुनाव से पहले राज्य में घुस आए हैं कट्टरपंथी तत्व : मुख्यमंत्री

असम कांग्रेस को बढ़ावा दे रहे इस्लामिक देशों के पांच हजार सोशल मीडिया अकाउंट

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि पिछले महीने असम के 5,000 से अधिक सोशल मीडिया अकाउंट सक्रिय रूप से कट्टरपंथी सामग्री से जुड़े रहे हैं, जिससे राज्य विधानसभा चुनावों से पहले राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं। मुख्यमंत्री ने आगे राज्य की कांग्रेस इकाई और उसके एक नेता पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इस्लामिक देशों से संचालित हो रहे पांच हजार से ज्यादा सोशल मीडिया अकाउंट असम कांग्रेस के पक्ष में काम कर रहे हैं। लोक सेवा भवन में मीडिया को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि ये अकाउंट भारत विरोधी और असम विरोधी विचारों को बढ़ावा दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को कहा कि ये अकाउंट कट्टरपंथी विचारों का प्रचार करते हैं, जैसे कि फिलिस्तीन समर्थक रुख, इजरायल का विनाश, मोहम्मद यूनुस के साथ सहानुभूति या भारत विरोधी रुख। इसके अलावा वे असम से संबंधित पोस्ट को *लाइक* करते हैं। डिजिटल और फोरेंसिक ऑडिट के बाद सरकार ने पाया कि 700 से अधिक सोशल मीडिया अकाउंट बांग्लादेश से संचालित हो रहे हैं। शर्मा ने कहा कि इसके अलावा 350 खाते पाकिस्तान से और 500 से अधिक खाते मध्य पूर्व से संचालित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इस घटनाक्रम को पहली बार राज्य चुनावों से पहले इतने बड़े पैमाने पर विदेशी डिजिटल हस्तक्षेप के रूप में चिह्नित किया। उन्होंने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा चिंता के रूप में उजागर किया। शर्मा ने शुक्रवार को प्रेस को बताया कि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं, हम कट्टरपंथी विचारों को बढ़ावा देने वाले इन अकाउंट में वृद्धि देख रहे हैं और हमारा मानना है कि आने वाले दिनों में इसमें और वृद्धि होगी। इसका राष्ट्रीय सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ेगा। उन्होंने इन अकाउंट्स के बीच एक राजनीतिक पैटर्न की ओर भी इशारा किया, जहां ये अकाउंट विशेष रूप से असम कांग्रेस और उसके नेताओं को फॉलो करते हैं, जिससे उनकी मंशा पर और सवाल उठते हैं। मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि किसी विदेशी देश के व्यक्ति की असम में क्या रुचि होगी और इस बात पर प्रकाश डाला -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव से पहले सांप्रदायिक तनाव फैलाने की कोशिश कर रही है भाजपा-आरएसएस : गौरव

गुवाहाटी। असम कांग्रेस अध्यक्ष और लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने शुक्रवार को भाजपा, आरएसएस, वीएचपी और बजरंग दल पर बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इन संगठनों में कुछ आपराधिक सोच वाले लोग हैं जो चुनाव से पहले जानबूझकर सांप्रदायिक तनाव फैलाने की कोशिश करते हैं, ताकि सरकार की नाकामियों से लोगों का ध्यान भटकाया जा सके। गौरव गोगोई ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की राजनीति की तुलना मोहम्मद अली जिन्ना से करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री असमिया जिन्ना जैसा व्यवहार कर रहे हैं। कांग्रेस ऐसी जिन्ना टाइप की राजनीति को असम में सफल नहीं होने देगी। इस प्रेस कांफ्रेंस में गौरव गोगोई ने मांग की कि राज्य में सार्वजनिक स्थानों और धार्मिक स्थलों पर बीफ और गाय के अवशेष रखने की घटनाओं की गहराई से जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन्हें पकड़ा गया है, उन पर तो कार्रवाई हो ही, लेकिन जिन लोगों ने उन्हें ऐसा करने की सलाह दी, उनके खिलाफ भी जांच होनी चाहिए। इस दौरान -शेष पृष्ठ दो पर

मंदिरों और नामघरों के पास गोमांस कानून के उल्लंघन पर होगी कड़ी कार्रवाई : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने ईद-उल-जुहा के दौरान असम मवेशी संरक्षण अधिनियम के उल्लंघन पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने विशेष रूप से मंदिरों और नामघरों के 5 किलोमीटर के दायरे में गोमांस की खपत और बिक्री के कदम को गंभीर बताया है और जिले के सभी अपायुक्तों को गोमांस से संबंधित गतिविधियों को प्रतिबंधित करने वाले खंड को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को दिसपुर स्थित लोक सेवा भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कानून के अनुसार, किसी भी मंदिर या नामघर के 5 किमी के दायरे में गोवध, गोमांस की बिक्री या सेवन सख्त वर्जित है। इसके बावजूद, इस ईद के दौरान कई जगहों पर असम मवेशी संरक्षण अधिनियम का उल्लंघन किया गया, जबकि उन्हें टाला जा सकता था। यदि कानून के प्रावधानों को लागू किया जाता और जनता को इसके बारे में बताया जाता, तो ऐसा नहीं होता। मुख्यमंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में बंद से सामान्य जनजीवन प्रभावित

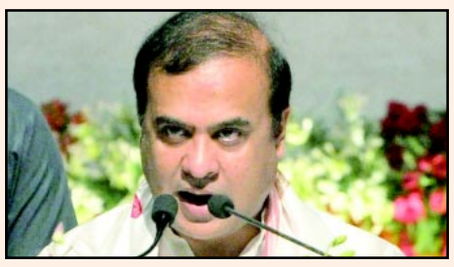

इंफाल। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में शुक्रवार को एक बार फिर सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है, क्योंकि एक आदिवासी संगठन ने जिले में अनिश्चितकालीन बंद का आह्वान किया। यह बंद एक बुजुर्ग कुकी महिला की हत्या के विरोध में बुलाया गया है। बाजार और अन्य व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे, जबकि सड़कों पर यातायात ठप हो गया। इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) के कार्यकर्ताओं ने कई सड़कों को -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य सरकार ने कर चोरी करने वाले व्यावसायी प्रतिष्ठानों पर छापे मारे

गुवाहाटी। असम सरकार कर चोरी पर लगाम कस रही है और राज्य के विभिन्न हिस्सों में व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर करीब 5.80 करोड़ रुपए की कर चोरी का खुलासा किया है। राज्य के वित्त (कर) विभाग ने प्रत्येक छापेमारी के लिए जारी तीन अलग-अलग बयानों में कहा कि तलाशी और जब्ती अभियान बरपेटा रोड, जोरहाट और तिनसुकिया में चलाए गए। राज्य जीएसटी विभाग ऐसे बेईमान डीलरों का पता लगाने के लिए कमर कस रहा है ताकि राज्य के राजस्व की रक्षा की जा सके। ऐसे बेईमान करदाताओं की तलाशी और जब्ती/गिरफ्तारी से ऐसी गतिविधियों पर लगाम लगेगी और वे ऐसी गतिविधियों -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार को दी 5,918 करोड़ की सौगात

पटना/सीवान (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार में सीवान जिले के जसौली में राज्य को 5,900 करोड़ रुपए से अधिक की सौगात दी। इसमें आवास, शहरी विकास, जल शक्ति, विद्युत और रेल से जुड़ी 28 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने 22 नगर विकास की परियोजनाओं, 6 सड़क परियोजनाओं और एक रेल परियोजना का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया, जिसकी कुल लागत 5,918 हजार करोड़ रुपए है। इसके साथ ही पीएम आवास योजना के तहत 53,666 बेघर लोगों को पहली किस्त दी गई। इन परियोजनाओं का मकसद बिहार के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार के कई शहरों में 5,900 करोड़ रुपए की लागत से नमामि गंगे परियोजना के तहत सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और जलापूर्ति प्रोजेक्ट्स की शुरुआत की। सीवान की धरती से पीएम मोदी ने कुल 28 योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इन परियोजनाओं में जलापूर्ति और सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट शामिल हैं। इनका उद्देश्य बिहार के लोगों को बेहतर सुविधाएं

देना है। इन परियोजनाओं से बेगूसराय, छपरा, बक्सर, मोतिहारी, सासाराम, सीवान और आरा जैसे शहरों को फायदा होगा। साथ ही, बिहार के ग्रिड सब-स्टेशनों पर 500 मेगावाट क्षमता की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली भी स्थापित की जाएगी।

बिहार को प्रधानमंत्री की सौगात-

1. एसटीपी और सीवरेज प्रोजेक्ट के शिलान्यास के जरिये प्रधानमंत्री मोदी ने बेगूसराय को दी स्वच्छता एवं स्वास्थ्य की सौगात दी है। इस परियोजना के पूरा होने पर आधुनिक तकनीकों से होगी गंदे पानी की रि-साइकिलिंग, बेगूसराय बनेगा साफ-सुथरा और स्वस्थ होगा।

2. सीवान को स्वच्छता और सुविधा का संबल देते हुए 480 करोड़ की लागत से बनने वाली सीवान सीवरेज नेटवर्क ट्रीटमेंट प्लांट तथा जलापूर्ति योजना की आधारशिला रखी। इससे सीवान को स्वच्छता के साथ ही जल संरक्षण और बेहतर नागरिक सुविधाएं मिलेंगी।

3. पूर्वी चंपारण के रक्सौल में नाली व्यवस्थापन व सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की पीएम मोदी द्वारा आधारशिला रखी गई। यह परियोजना शहर को स्वच्छ बनाएगी और गंदे पानी की समस्या का स्थायी समाधान प्रदान करेगी। पश्चिम चंपारण के लिए प्रधानमंत्री पीएम मोदी की सौगात विशेष है क्योंकि 69 करोड़ के बेतिया वाटर सप्लाई प्रोजेक्ट की आधारशिला से क्षेत्र की विकास यात्रा में नया अध्याय लिखा गया है।

4. प्रधानमंत्री मोदी ने बक्सर के लिए दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं की नींव रखी। सीवरेज/सेप्टेज प्रबंधन प्रोजेक्ट और आईएंडडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, जिससे शहर का गंदा पानी साफ होगा, नालियों का उचित प्रबंधन होगा और बक्सरवासियों को स्वच्छ वातावरण मिलेगा। इस मौके पर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खां, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह सहित एनडीए के कई नेता उपस्थित रहे।

ओएनजीसी ने गैस रिसाव को रोकने के लिए 50 प्रतिशत जमीनी कार्य पूरा किया : सीएम

गुवाहाटी । असम के शिवसागर जिले में तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी)के कच्चे तेल के कुएं से लगातार सातवें दिन भी गैस का रिसाव जारी है। लेकिन ओएनजीसी गैस लीक रोकने में आगे बढ़ रहा है। ग्राउंडवर्क का लगभग 50 प्रतिशत काम पूरा कर लिया गया है। केंद्र और असम की सरकार लगातार स्थिति की निगरानी कर रही है। यह बातें असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को दिसपुर स्थित लोकसेवा भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कही। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने दिसपुर में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि ओएनजीसी ने पहले के तरीकों को छोड़ दिया है और अब 13 जून को शुरू हुए रिसाव को रोकने के लिए *अधिक व्यावहारिक और सुरक्षित रणनीति* को लागू कर रहा है। साइट की तैयारी और उपकरणों की तैनाती सहित लगभग 50 प्रतिशत प्रारंभिक कार्य पूरा हो चुका है। संयुक्त राज्य अमेरिका से अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ आज शाम शिवसागर जिले में ओएनजीसी के आरडीएस 147ए कुएं में अनियंत्रित प्राकृतिक गैस रिसाव के स्थल पर पहुंचने की उम्मीद है, जो सप्ताह भर से चल रहे विस्फोट को रोकने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण चरण है। डॉ. शर्मा ने कहा कि नई योजना के तहत पूर्ण पैमाने पर संचालन कल यानि शनिवार से शुरू होने वाला है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य दोनों सरकारें स्थिति की चौबीसों घंटे निगरानी कर रही हैं। यह घटना तब सामने आयी, जब ओएनजीसी के शुरुआती रोकथाम प्रयास 13 जून को सुबह 11:45 बजे नियमित सर्विसिंग संचालन के दौरान शुरू हुए निरंतर गैस के प्रवाह को रोकने में अपर्याप्त साबित हुए। राज्य के स्वामित्व वाली ऊर्जा दिग्गज कंपनी अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों को बुलाने का फैसला करने से पहले अपनी आंतरिक कुआं नियंत्रण टीमों के साथ काम कर रही थी। ओएनजीसी ने प्रभावित कुएं और पास की उत्पादन सुविधा के बीच एक कनेक्शन स्थापित करने में कामयाबी हासिल की है, जिससे कि कुछ गैस प्रवाह को नियंत्रित तरीके से मोड़ा जा सका। ओएनजीसी अतिरिक्त सुरक्षा एहतियात के तौर पर कुएं के चारों ओर पानी का छिड़काव जारी रखे हुए है।

पर्यटकों के लिए बंद हुआ मानस राष्ट्रीय उद्यान

बाक्सा (हिंस)। विश्व धरोहर स्थल मानस राष्ट्रीय उद्यान आज से पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है। राष्ट्रीय उद्यान प्राधिकरण ने यह निर्णय प्रतिकूल मौसम को ध्यान में रखते हुए लिया है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले, 9 जून को हाथी सफारी और रिवर राफ्टिंग बंद कर दी गई थी और आज से जीप सफारी भी बंद कर दी गई है। इसके साथ ही आज से मानस राष्ट्रीय उद्यान का मुख्य प्रवेश द्वार पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। राष्ट्रीय उद्यान प्राधिकरण ने सूचित किया है कि अगली सूचना तक उद्यान का प्रवेश द्वार बंद ही रहेगा। मार्गों की स्थिति सुधरने पर अक्तूबर माह में इसे फिर से खोलने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि 2024-25 पर्यटन वर्ष में मानस राष्ट्रीय उद्यान प्राधिकरण ने 1 करोड़ 58 लाख रुपए का राजस्व संग्रह किया है।

गरीबों को उत्तम स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराना केंद्र सरकार की प्राथमिकता : अमित शाह

बेंगलुरु (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को श्री आदिचुंचनगिरी महासंस्थान मठ में बीजीएस मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भवन का उद्घाटन किया। यह सुपरस्पेशलिटी अस्पताल 1000 बिस्तरों वाला है और यहां लोगों को गंभीर बीमारियों का भी निःशुल्क इलाज मिल सकेगा। अमित शाह ने अस्पताल प्रबंधन के इस पहल की सराहना की है। बीजीएस मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भवन का उद्घाटन समारोह में बोलते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह अत्यंत सराहनीय है कि यह अस्पताल गरीबों को मुफ्त और कम लागत पर इलाज उपलब्ध करा रहा है। यही मानवता का सच्चा रूप है। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने भी गरीबों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण स्वास्थ्य योजनाएं लागू की हैं। आयुष्मान भारत योजना भी एक महत्वाकांक्षी योजना है, जो गरीब परिवारों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपए तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा प्रदान करती है। इसके तहत अब तक 7 करोड़ गरीब लोगों को मुफ्त इलाज मुहैया कराया जा चुका है। उन्होंने कहा कि मिशन इंद्रधनुष नामक योजना, जो 15 वर्ष तक के बच्चों को आवश्यक टीके उपलब्ध कराती है, उसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में भी सफलतापूर्वक टीकाकरण कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की प्रमुख *स्वच्छ भारत* योजना के तहत 12 करोड़ घरों में शौचालय उपलब्ध कराए गए हैं।

राज्य भर में मनाया जा रहा विष्णु राभा दिवस

गुवाहाटी (हिंस)। आज 20 जून, एक ऐसा दिन जिसे हर वर्ष *विष्णु राभा दिवस* के रूप में मनाया जाता है। असमिया समाज, संस्कृति और संगीत को समृद्ध बनाने वाले महान कलाकार, क्रांतिकारी और साहित्यकार सैनिक-शिल्पी *कलागुरु विष्णुप्रसाद राभा* की स्मृति में यह दिन राज्यभर में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया जाता है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में आज इस अवसर पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। कलागुरु राभा की बहुआयामी प्रतिभा और योगदान को याद करते हुए कलाकार, कवि, लेखक, रंगकर्मी, गायक, नर्तक, चित्रकार और अभिनेता उन्हें अपनी-अपनी विधाओं में श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। पूरा असम आज विष्णु राभा की रचनाओं और सांस्कृतिक चेतना से गूंज उठा है। उल्लेखनीय है कि कलागुरु विष्णुप्रसाद राभा का जन्म 31 जनवरी, 1909 को ढाका में हुआ था। वे असमिया संस्कृति के ऐसे साधक थे, जिन्होंने कला और संगीत को सामाजिक चेतना के साथ जोड़ा। राभा की रचनाओं को आज *विष्णु राभा संगीत* के नाम से जाना जाता है। वे एक क्रांतिकारी विचारक भी थे जिन्होंने अपनी कला को सामाजिक संघर्ष से जोड़ा। 20 जून, 1969 को तड़के 2-25 बजे तेजपुर में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके सांस्कृतिक योगदान से प्रभावित होकर काशी हिंदू विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने उन्हें *कलागुरु* की उपाधि से सम्मानित किया था। विष्णु राभा एक सच्चे बहुआयामी कलाकार थे-वे कवि, लेखक, नाटककार, संगीतज्ञ, चित्रकार, अभिनेता और स्वतंत्रता सेनानी थे।

महाप्रभु के लिए ट्रंप का निमंत्रण ठुकराया : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ओडिशा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की भाजपा सरकार के एक वर्ष पूरे होने पर बधाई दी और इसे सुशासन, जनसेवा एवं जनविश्वास का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह वर्षगांठ सिर्फ सरकार के कार्यकाल की नहीं, बल्कि एक नए युग की शुरुआत की वर्षगांठ है। प्रधानमंत्री ने बताया कि वे दो दिन पहले कनाडा में जी-7 समिट में हिस्सा ले रहे थे। उस दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें फोन कर वॉशिंगटन आने और भोजन पर चर्चा करने का न्यौता दिया। प्रधानमंत्री ने भावुक अंदाज में कहा कि मैंने, अमेरिका के राष्ट्रपति से कहा, निमंत्रण के लिए आपका धन्यवाद, लेकिन मुझे तो महाप्रभु की धरती पर जाना जरूरी है। इसलिए मैंने उनका निमंत्रण विनम्रता से मना किया। आपका प्रेम मुझे महाप्रभु की धरती तक खींच लाया है। मोदी ने कहा कि यह आमंत्रण ठुकराना कोई राजनीतिक निर्णय नहीं था, बल्कि आस्था और संस्कृति की प्राथमिकता थी। प्रधानमंत्री ने ओडिशा को भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का दिव्य सितारा बताते हुए कहा कि ओडिशा केवल एक राज्य नहीं है, यह भारतीय सभ्यता का जीवंत केंद्र है। महाप्रभु जगन्नाथ की इस धरती ने हमारी संस्कृति को सदियों से समृद्ध किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने श्रीमंदिर से जुड़े मामलों को प्राथमिकता दी है। राज्य में भाजपा सरकार बनते ही श्रीमंदिर के चारों द्वार खोल दिए गए और बहुप्रतीक्षित रत्न भंडार का उद्घाटन भी हुआ। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कोई राजनीतिक जय-पराजय का विषय नहीं है। यह करोड़ों भक्तों की आस्था का सम्मान है। प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्ववर्ती सरकारों पर भ्रष्टाचार, विकास की अनदेखी और आदिवासी समाज की उपेक्षा के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि ओडिशा में बहुत बड़ी संख्या में आदिवासी समाज निवास करता है, लेकिन उन्हें हमेशा राजनीति के लिए इस्तेमाल किया गया। उन्हें न विकास मिला, न भागीदारी। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले 125 से अधिक आदिवासी जिले नक्सली हिंसा की चपेट में थे, लेकिन भाजपा सरकार के प्रयासों से यह हिंसा अब मात्र 20 जिलों तक सीमित रह गई है। उन्होंने दोहराया कि नक्सलवाद को जड़ से खत्म करना मोदी की गारंटी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार ने ओडिशा में स्वास्थ्य सुविधाओं में क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं। पहले लाखों गरीब परिवार आयुष्मान भारत योजना से वंचित थे। अब राज्य सरकार की गोपबंधु जन आरोग्य योजना और केंद्र की आयुष्मान भारत योजना दोनों यहां लागू हैं, जिससे लगभग 3 करोड़ लोगों को मुफ्त इलाज का लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री ने ओडिशा की मोहन चरण माझी और उनकी सरकार की सराहना करते हुए कहा कि ओडिशा के लोगों ने परिवर्तन का जो विश्वास जताया है, वह अब नतीजों के रूप में सामने आ रहा है। आने वाले समय में ओडिशा देश की प्रगति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का केंद्र बनेगा।

शेख हसीना को अल्टीमेटम, 24 तक करें सरेंडर : ट्रिब्यूनल का आदेश

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ कानूनी शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। ताजा घटनाक्रम में बांग्लादेश इंटरनेशनल क्रिमिनल ट्रिब्यूनल ने शेख हसीना को 24 जून को अदालत में पेश होने का आदेश दिया है। ट्रिब्यूनल में शेख हसीना के खिलाफ मानवता के खिलाफ अपराध, हत्या और जनसंहार जैसे गंभीर आरोपों के मामले लंबित हैं। पूर्व प्रधानमंत्री पर आरोप है कि उन्होंने जुलाई 2024 में बांग्लादेश में हुए छात्र विद्रोह के दौरान नागरिकों पर गोलीबारी की साजिश रची थी। इस मामले में पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान और तत्कालीन पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून को भी सह-आरोपी बनाया गया है। अब्दुल्ला अल-मामून को पहले ही गिरफ्तार कर ट्रिब्यूनल के समक्ष पेश किया जा चुका है, जबकि हसीना और असदुज्जमां फरार बताए जा रहे हैं। अदालत ने दोनों आरोपियों को 24 जून तक आत्मसमर्पण करने का अंतिम अवसर दिया है। यदि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर पेश नहीं होते हैं, तो अदालत उनकी अनुपस्थिति में ही सुनवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ाएगी। अभियोजन पक्ष ने ट्रिब्यूनल को सूचित किया है कि शेख हसीना कथित रूप से देश छोड़कर भारत चली गई हैं और उन्होंने वहीं शरण ले रखी हैं। बांग्लादेश पुलिस ने हसीना के ढाका स्थित आवास समेत कई संभावित स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया, लेकिन वे कहीं नहीं मिलीं। पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान के बारे में भी कहा जा रहा है कि वे अज्ञात स्थान पर छिपे हुए हैं, जिससे उनकी गिरफ्तारी संभव नहीं हो पाई है।

पृष्ठ एक का शेष

चुनाव से पहले ...

कि असम और पूर्वोत्तर के साथ एक अधिक रणनीतिक एजेंडा चल रहा है। शर्मा ने प्रेस से कहा कि विदेशी संस्थाओं को असम में क्या दिलचस्पी होनी चाहिए? ऐतिहासिक रूप से, असम और पूर्वोत्तर को पाकिस्तान में शामिल करने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन गोपीनाथ बरदलै की बदौलत हम भारत में हैं। यह अधूरे एजेंडे का हिस्सा लगता है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह दावा किया जाता है कि अगर असम और पूर्वोत्तर को चिकन नेक से अलग कर दिया जाए तो देश उस पर कब्जा कर सकते हैं। शर्मा ने कहा कि कई खाते विश्वसनीय दिखने के लिए बनाए गए हैं, जिनमें प्रतिष्ठित संस्थानों के नाम का इस्तेमाल किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके खाते में आईआईटी गुवाहाटी जैसे संस्थानों से संबद्धता है। भविष्य में, वे अधिक विश्वसनीय दिखने के लिए असम में हिंदू नामों या स्थानों का भी उपयोग कर सकते हैं। शर्मा ने बताया कि सरकार के पास गुवाहाटी में किराए पर जगह लेने वाले कुछ लोगों के बारे में जानकारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम उन लोगों की जांच कर रहे हैं जो गुवाहाटी के जीएस रोड या खारघुली में रह रहे हैं। अगर वे राजनीतिक रूप से सक्रिय हैं, तो यह स्वीकार्य है। लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करना स्वीकार्य नहीं है, और अब वे हमारे रडार पर हैं। उधर मुख्यमंत्री ने राज्य की कांग्रेस इकाई और उसके एक नेता पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इस्लामिक देशों से संचालित हो रहे पांच हजार से ज्यादा सोशल मीडिया अकाउंट असम कांग्रेस के पक्ष में काम कर रहे हैं। पिछले एक महीने से इसमें तेजी से इजाफा हुआ है। हमने इस बारे में केंद्र सरकार को अवगत करा दिया है। सीएम शर्मा ने एक कार्यक्रम में दावा किया कि पिछले एक महीने से असम कांग्रेस के एक नेता और उसकी राज्य इकाई के सोशल मीडिया पेजों पर इस्लामिक देशों के सोशल मीडिया अकाउंट से गतिविधियां बढ़ी हैं। ये सोशल मीडिया अकाउंट 47 से अधिक देशों के हैं। इसमें से सबसे ज्यादा अकाउंट पाकिस्तान और बांग्लादेश से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि इन सोशल मीडिया अकाउंट से न तो राहुल गांधी और न ही कांग्रेस के पोस्ट के लाइक किए जाते हैं। यह अकाउंट केवल एक ही कांग्रेस नेता और असम कांग्रेस पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। वहीं मुख्यमंत्री ने नेता का नाम नहीं बताया, लेकिन माना जा रहा है कि उनका इशारा गौरव गोगोई की ओर था। गौरव गोगोई को पिछले सप्ताह मई में असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। शर्मा ने कहा कि मुझे पार्टी नेतृत्व में परिवर्तन की चिंता नहीं हैं। क्योंकि इस तरह की चीजें पिछले महीने से हुई हैं। इसलिए चिंता बढ़ रही है।

चुनाव से पहले सांप्रदायिक...

गौरव गोगोई ने यह भी साफ किया कि उनके प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद कुछ लोगों द्वारा ऐसे काम करने की बात पूरी तरह गलत है। उन्होंने इसे विरोधियों की चाल बताया और कहा कि यह चुनाव से पहले मुद्दा भटकाने की रणनीति है। गौरव गोगोई ने आगे कहा कि भाजपा और उसके सहयोगी संगठनों के कुछ आपराधिक सोच वाले लोग जानबूझकर इस तरह की घटनाएं करवा रहे हैं ताकि सरकार की विफलताओं पर सवाल न उठे। कांग्रेस नेता ने मणिपुर में हुए जातीय संघर्ष की स्थिति का उदाहरण देते हुए कहा कि असम में वैसी स्थिति न बने, इसके लिए कांग्रेस पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि हम असम को मणिपुर नहीं बनने देंगे। गौरव गोगोई ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उस घोषणा पर भी सवाल उठाए जिसमें उन्होंने असम की बाढ़ की समस्या को हल करने के लिए तालाब खुदवाने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि अमित शाह ने कहा था तालाब खुदवाएंगे। लेकिन कहां हैं वो तालाब? हम ढूंढ रहे हैं लेकिन कुछ दिख नहीं रहा है है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने कहा था कि वह खुद अपनी जमीन देंगे, लेकिन असल में आदिवासी समुदायों- बोड़ो, राभा, कार्बी, मिजो- की जमीन ली जा रही है। गौरव गोगोई ने कहा कि असम की जनता आज बेरोजगारी, बाढ़, बराक घाटी की बदहाल सड़कों और बुनियादी सुविधाओं की कमी जैसी समस्याओं से जूझ रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सबके लिए है। हम अमानवीय बेदखली, बराक घाटी के डी-वोटर मुद्दे, छह समुदायों को एसटी दर्जा न मिलने जैसे मसलों पर लोगों की आवाज बनेंगे।

मंदिरों और नामघरों ...

ने धुबड़ी, लखीपुर, लखीमपुर, ग्वालपारा और होजाई जिलों में हुई घटनाओं का हवाला दिया, और कहा कि ये सभी ऐसे क्षेत्रों हैं, जहां त्योहार के दौरान गोमांस खाया गया और वो भी कानूनी रूप से प्रतिबंधित क्षेत्रों में। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये घटनाएं अचानक नहीं हुईं। ये संवेदनशील क्षेत्रों में केंद्रित थीं, जहां मवेशी संरक्षण अधिनियम के इस विशेष प्रावधान का पालन नहीं किया गया था। अगर जागरूकता और कानून का कड़ाई से पालन होता, तो इस तरह की अशांति को रोका जा सकता था। डॉ. शर्मा ने राज्य के सभी उपायुक्तों (डीसी) को असम मवेशी संरक्षण अधिनियम, विशेष रूप से धार्मिक संस्थानों के पास गोमांस से संबंधित गतिविधियों को प्रतिबंधित करने वाले खंड को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि आने वाले समय में अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि असम मवेशी संरक्षण अधिनियम में हाल के वर्षों में अवैध वध और मवेशियों की बिक्री के खिलाफ प्रावधानों को मजबूत करने के लिए संशोधन किया गया था, जिसमें हिंदू धार्मिक स्थलों के आसपास निषेध के विशिष्ट क्षेत्र शामिल थे। धार्मिक त्योहारों के दौरान संवेदनशील जिलों में सांप्रदायिक सद्भाव को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच मुख्यमंत्री का यह नया निर्देश आया है।

मणिपुर में बंद...

जाम कर दिया। इनमें महिलाएं भी शामिल थीं। प्रदर्शनकारी लाठियों के साथ सड़कों पर उतरे और सुरक्षा बलों व अज्ञात हथियारबंद लोगों के बीच हुई मुठभेड़ में बुजुर्ग महिला होइखोलहिंग हाओकिप की मौत के खिलाफ प्रदर्शन किया। एक अधिकारी ने बताया कि सरकारी दफ्तरों में उपस्थिति काफी कम रही और सभी शिक्षण संस्थान दिनभर के लिए बंद रखे गए। आईटीएलएफ ने यह बंद गुरुवार शाम हुई गोलीबारी की घटना के बाद बुलाया, जिसमें हाओकिप की जान गई। यह घटना उस समय हुई, जब सुरक्षा बल लांगचिंगमानबी और हाइचांगलोक इलाकों में अभियान चला रहे थे। सुरक्षा बलों को देखकर अज्ञात हथियारबंद हमलावरों ने उन पर गोलियां चलाईं, जिससे मुठभेड़ शुरू हो गई। आईटीएलएफ ने केंद्र सरकार से आदिवासी लोगों और उनकी भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है। साथ ही, उन्होंने संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में *बफर जोन* के बार-बार उल्लंघन की स्वतंत्र जांच की मांग भी की है। इस बीच, कांगपोकपी जिले में भी शुक्रवार दोपहर 1 बजे से 24 घंटे का बंद शुरू किया गया है। इस बंद का समर्थन ट्राइबल यूनिटी कमेटी और चुराचांदपुर के संयुक्त नागरिक संगठनों ने किया है। मई 2023 से मणिपुर में मैतेई और कुकी-जो समुदायों के बीच जातीय हिंसा जारी है, जिसमें अब तक 260 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। 13 फरवरी को केंद्र सरकार ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया था, जब मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने इस्तीफा दे दिया था।

राज्य सरकार ने कर ...

में शामिल होने से पहले दो बार सोचेंगे। इसने कहा कि यह सभी करदाताओं के लिए एक संदेश है कि वे किसी भी तरह की गड़बड़ी में शामिल न हों, अन्यथा उन्हें इसके परिणाम भुगतने होंगे। राज्य माल एवं सेवा कर आयुक्तालय (एसजीएसटी) के बरपेटा रोड इकाई कार्यालय के अधिकारियों द्वारा गुरुवार को मेसर्स अप्सरा बीज भंडार के व्यापारिक परिसर में की गई तलाशी और जब्ती में, ऑडिट किए गए स्टॉक के साथ भौतिक स्टॉक के अंतर के साक्ष्य पाए गए। अभिलेखों के प्रारंभिक सत्यापन पर, यह पाया गया कि करदाता ने बिक्री को छिपाने का काम किया, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 15 लाख रुपए की कर चोरी हुई। इस छापे के बारे में बयान में कहा गया है कि सत्यापन चल रहा है और अंतिम सत्यापन के बाद चोरी की वास्तविक राशि स्थापित की जाएगी और कहा कि कुल छिपाने का अनुमान लगभग 3 करोड़ रुपए कर योग्य कारोबार है। गुरुवार को जैन मार्केटर्स के परिसर में एसजीएसटी आयुक्तालय की तिनसुकिया इकाई द्वारा की गई एक अन्य कार्रवाई में भी माल के गलत वर्गीकरण और शून्य एसजीएसटी नकद भुगतान के साक्ष्य पाए गए। अभिलेखों के प्रारंभिक सत्यापन पर, यह पाया गया कि करदाता ने अयोग्य आईटीसी का दावा करने का काम किया, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 20 लाख रुपए की कर चोरी हुई। इस मामले में कुल कर चोरी लगभग 80 लाख रुपए होने का अनुमान है। 11 जून को एसजीएसटी आयुक्तालय की जोरहाट इकाई के राज्य कर के सहायक आयुक्त द्वारा बरुआनी बट, दिगंबर चौक, केंदुगुरी और राजामैदाम रोड स्थित करदाता मेसर्स डॉली ग्लास एंड डेकोर के परिसरों में की गई एक और तलाशी और जब्ती कार्रवाई में ईवे बिल, ट्रेडिंग खातों, बिक्री रजिस्टर और खरीद रजिस्टर में कर चोरी के सबूत पाए गए। अभिलेखों के प्रारंभिक सत्यापन से पता चला कि करदाता ने बिक्री कारोबार को छिपाने की प्रथा में लिप्त था, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 2 करोड़ रुपए की कर चोरी हुई। तीसरे बयान में कहा गया कि फर्म के मालिक से पूछताछ के दौरान पता चला कि वह बिक्री और खरीद को छिपाकर कर चोरी में लिप्त है और कुल कर चोरी लगभग 2 करोड़ रुपए होने का अनुमान है।

लापता नाबालिक लड़की बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की वशिश्ठ पुलिस थाना क्षेत्र इलाके से लापता युवती को महज 24 घंटे के भीतर बरामद करने में सफल रही। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि थाना क्षेत्र इलाके के पिलिनकाटा से लापता हुई नाबालिक बच्ची को रंगिया रेलवे स्टेशन से बरामद कर लिया गया। बरामद की गई युवती को रंगिया से लाकर युवती के परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस इस संबंध में युवती के परिजनों द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

No.DPRD/BTC/SOPD (Baksa)-15/2025-26/ *Dated Kokrajhar the 19th June 2025*

PRESS NOTICE

The Director, P&RD, BTC, Kokrajhar invites bids for work " Const, of CC block and drain in Salbari Collage Compound " for A/A amount of **Rs.40,00,000/-** (rupees forty lakh) only under SOPD-G during the FY 2025-26 from the registered contractors of Class - II (A,B & C) category of Assam PWD (Roads) / (Building), BTC.

Details may be seen at website http://assamtenders.gov.in and also at the Office of the undersigned during office hours.

Sd/-Director,
Panchayat & Rural Development,
BTC, Kokrajhar

IPR(BTC)/C/2025-26/1003

No.KDB/BTC/15th FC/367/2023-24/713 *Dtd.19/06/2025*

NOTICE INVITING TENDER

Sealed tenders affixing a non-refundable court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight & paise twenty-five] only which a validity period of 180 days, which will subsequently to be converted and drawn up in the printed P.W.O. F-2 form are invited from the registered eligible contractors of Class-II & Class-I (A,B.C) category registered under PWD (Roads)and (Bldge) Department, Assam and Bodoland Territorial Council for submitting tenders against 2(Two) nos. of Schemes under 6th ASFC Award (BTC) fund for the year 2025-26 and 15th FC (Tied Grant) for the year 2023-24 During 2024-25. Tenders will be received up to 2-00 p.m. on 12-07-2025 and will be opened on the same date & place at 3-00 p.m.

Sl. No.	Name of work	Estimated Amount	Category of Conractor	Demand Draft/ Bank Draft Amount	Time of completion
01	Improvement of Road with Sand gravelling road from Samin House to Ulta Khanda Bundh at Mougaon Bhuyankhat VCDC Kalaigaon Dev., Block	4,00,000.00	Class-I(A,B,&C) & Class-II	150.00	30 days
02	Construction of Community Toilet at Bineswar Brahma Memorial Complex at Thulungapuri	10,47,950.00	Class-I(A,B, & C) & Class-II	350.00	SO days

Detail N.I.T. may be seen in all working days In the office of the undersigned . Tender paper will be issued to the contractor or their authorized agent from 20/06/2025 to 11/07/2025 in the office of the undersigned on payment.

Sd/-
Block Development Officer
Kalaigaon Development Block, Kalaigaon

IPR(BTC)/C/2025-26/997

ब्रह्मपुत्र नाव दुर्घटना के दूसरे दिन भी राहत एवं बचाव अभियान जारी

नलबाड़ी (हिंस)। नलबाड़ी जिले के बरखेत्री सर्कल इलाके में ब्रह्मपुत्र नदी में गुरुवार की सुबह हुई नाव दुर्घटना में लापता हुए छह लोगों की तलाश आज सुबह दूसरे दिन फिर से आरंभ किया गया। नाव पलटने से पांच स्कूली बच्चों समेत छह लोग लापता हो गए हैं। हालांकि, नाव पर सवार अन्य लोगों को बचा लिया गया था। बीते कल देर शाम तक चलते अभियान में कोई सफलता नहीं मिली थी। अंधेरा होने के चलते तलाशी अभियान को रोक दिया गया था। लापता लोगों की तलाश में राहत एवं बचाव कार्य आज सुबह फिर नये सिरे से आरंभ किया गया है। राहत एवं बचाव अभियान में राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीम शामिल हैं। जिला प्रशासन के अनुसार नाव पलटने की घटना उस वक्त हुई जब नलबाड़ी जिलांतर्गत बरखेत्री सर्कल में ब्रह्मपुत्र नदी में एक यंत्र चालित नाव नादिया चर (नदी का छाड़न वाला क्षेत्र) से लारकुची पाराधरा पारघाट आ रही थी। इसी दौरान नाव दुर्घटना का शिकार हो गई। दुर्घटना के बाद एक वयस्क व्यक्ति और पांच स्कूली छात्र-छात्राएं लापता हैं।

कॉटन यूनिवर्सिटी के कुलपति को एनसीसी में *मानद कर्नल* की उपाधि

गुवाहाटी (हिंस)। कॉटन यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. रमेश चंद्र डेका को एनसीसी (राष्ट्रीय कैडेट कोर) में *मानद कर्नल* की उपाधि तथा *कर्नल कमांडेंट* नियुक्त किया गया है। यह सम्मान उन्हें 20 जून, शुक्रवार को यूनिवर्सिटी परिसर में आयोजित रैंक पिपिंग समारोह के दौरान प्रदान किया गया। भारत सरकार द्वारा यह प्रतिष्ठित सम्मान उन्हें युवाओं के विकास में योगदान और एनसीसी गतिविधियों के प्रति उनके सतत समर्थन के लिए दिया गया है। वर्ष 2025 में पूर्वोत्तर क्षेत्र के वह एकमात्र कुलपति हैं जिन्हें यह विशिष्ट उपाधि प्राप्त हुई है। समारोह में एनसीसी के वरिश्ठ अधिकारी ब्रिगेडियर अजीत कुमार बोहरा, वीएसएम, एनसीसी ग्रुप मुख्यालय गुवाहाटी के ग्रुप कमांडर कर्नल अजय कुमार शर्मा, 60 असम गर्ल्स बटालियन एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर तथा विंग कमांडर हुवे उपाध्याय, एससी, 50 असम एयर स्क्वाड्रन

एनसीसी, गुवाहाट की उपस्थिति रही। अधिकारियों ने संयुक्त रूप से कुलपति के कंधों पर रैंक लगाए। इस अवसर पर डीजी एनसीसी द्वारा प्रमाण पत्र एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। ब्रिगेडियर बोहरा ने इस अवसर पर कहा कि यह केवल एक औपचारिक सम्मान नहीं, बल्कि देश निर्माण के लिए युवाओं को सशक्त बनाने में कुलपति की प्रतिबद्धता की मान्यता है। *मानद कर्नल* के रूप में उनका यह जुड़ाव एनसीसी की अनुशासन, नेतृत्व और सेवा की विरासत को और मजबूत करेगा। प्रो. डेका ने इस सम्मान के लिए भारत सरकार और एनसीसी परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देश के युवा सबसे बड़ी पूंजी हैं और एनसीसी उन्हें जिम्मेदार और देशभक्त नागरिकों के रूप में तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि इस संस्था से सीधे जुड़ना उनके लिए गौरव की बात है। यह समारोह कॉटन यूनिवर्सिटी और एनसीसी के लिए ऐतिहासिक बना, जिसने अकादमिक उत्कृष्टता और अनुशासित नेतृत्व के साझा संकल्प को और मजबूती दी। समारोह में शामिल 60 असम गर्ल्स बटालियन और 50 असम एयर स्क्वाड्रन के एनसीसी कैडेट ने पूरे अनुशासन व गर्व के साथ समारोह को सफल बनाया। कैडेट्स द्वारा संचालित एंकरिंग सहित संपूर्ण आयोजन अनुशासन और उत्साह का प्रतीक रहा।

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने दी *कलागुरु* विष्णुप्रसाद राभा को श्रद्धांजलि

कहा, राभा की सांस्कृतिक चेतना आज भी प्रासंगिक

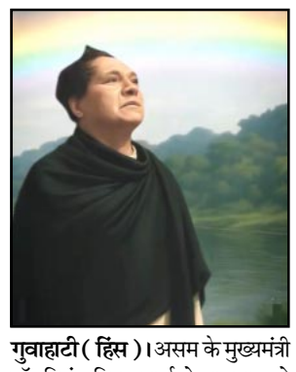

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को *कलागुरु* विष्णुप्रसाद राभा की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि राभा सिर्फ एक कलाकार नहीं, बल्कि समाज और संस्कृति के लिए समर्पित एक महान व्यक्तित्व थे। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि कलागुरु विष्णुप्रसाद राभा समाज-संस्कृतिक चेतना को जीवंत कर देने वाले एक महान व्यक्तित्व का नाम है। राभा देव के बहुरंगी जीवन यात्रा में हम पाते हैं सृजन और समाज चेतना का संदेश। संस्कृति के उपासक राभा देव ने आधुनिक तकनीक के माध्यम से देखने का एक प्रयास किया। राभा की आभा चारों दिशाओं में व्याप्त है। इस महान विभूति की पुण्यतिथि पर हृदय की गहराइयों से अर्पित करता हूं हजारों प्रणाम। मुख्यमंत्री की इस श्रद्धांजलि ने राभा की विरासत को आधुनिक संदर्भ में जोड़ते हुए यह संदेश दिया कि आज भी उनके विचार और रचनात्मकता नई पीढ़ियों को प्रेरित कर सकते हैं।

शालबाड़ी में राज्यस्तरीय अंतर्राष्ट्रीय दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगे मुख्यमंत्री

बाक्सा (हिंस)। बाक्सा जिले के शालबाड़ी में 21 जून को आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा शामिल होंगे। मुख्यमंत्री आज शाम को मानस में पहुंचेंगे। राज्य स्तर पर इस वर्ष का योग दिवस शालबाड़ी में आयोजित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री के स्वागत की तैयारियों में प्रशासन और पार्टी कार्यकर्ता दिन-रात व्यस्त हैं। आगामी शनिवार की सुबह 5-45 बजे से शालबाड़ी महाविद्यालय के खेल मैदान में योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम आयोजित होगा।

आयोजन स्थल पर विधायक फणीधर तालुकदार, पार्षद जय मुसाहारी, कार्यकारी सदस्य गौतम दास के साथ-साथ भाजपा और यूपीपीएल दल के कई कार्यकर्ता भी उपस्थित रहेंगे।

थर्ड एंपियर पुस्तक का मुख्यमंत्री ने किया विमोचन

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को *थर्ड एंपियर* पुस्तक का विमोचन किया, जो असम व पूर्वोत्तर में बिजली क्षेत्र के विकास पर केंद्रित है। यह कार्यक्रम असम विद्युत विनियामक आयोग (एईआरसी) की रजत जयंती के अवसर पर आयोजित हुआ। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने 2035 तक बिजली में आत्मनिर्भरता पाने के लिए दीर्घकालिक योजना बनाई है, क्योंकि तब तक असम की बिजली आवश्यकता 5,500 मेगावाट तक पहुंच सकती है। वर्तमान में राज्य खुद 500 मेगावाट पैदा करता है जबकि 1,800 मेगावाट केंद्रीय ग्रिड से लेता है। गर्मियों में मांग 2,700 मेगावाट तक पहुंच गई है। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने बताया कि 5,000 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन तथा 8,000 मेगावाट के पम्प्ड स्टोरेज की योजना पर काम हो रहा है। साथ ही केंद्र सरकार ने 3,000 मेगावाट की थर्मल पॉवर परियोजना को भी मंजूरी दी है। उन्होंने बताया कि बीते साढ़े चार वर्षों में बिजली क्षेत्र में बड़े सुधार हुए हैं-लाइन हानि 30 फीसदी से घटकर 15.5 फीसदी पर आ गई है, स्मार्ट मीटरिंग से तीनों बिजली कंपनियां मुनाफे में हैं और प्रति यूनिट दर 1 कम की गई है। मुख्यमंत्री ने एईआरसी के योगदान की सराहना की और नई नियामकीय रूपरेखाओं के उपभोक्ताओं, उत्पादकों व वितरकों के लिए लाभकारी होने की उम्मीद जताई।

आईआईआईटी जी के 7वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने शुक्रवार को भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) गुवाहाटी के सातवें दीक्षांत समारोह में भाग लिया। यह समारोह गुवाहाटी स्थित आईआईआईटी-जी परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें कुल 264 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने उत्तीर्ण छात्रों को बधाई दी और संस्थान की अकादमिक उपलब्धियों के लिए शिक्षकों व प्रशासन की सराहना की। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह छात्रों के परिश्रम की परिणति और उनके जीवन के नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक होता है। राज्यपाल ने कहा कि 21वीं सदी में सूचना प्रौद्योगिकी संवाद, शिक्षा, व्यापार और नवाचार का प्रमुख माध्यम बन चुकी है। यह क्षेत्र भारत को वैश्विक तकनीकी शक्ति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने सुंदर पिचाई और सत्य नडेला जैसे भारतीय मूल के तकनीकी नेताओं का उदाहरण देते हुए छात्रों को नवाचार और नेतृत्व के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। राज्यपाल ने वर्ष 2013 में स्थापित आईआईआईटी गुवाहाटी की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप मजबूत शैक्षणिक और नैतिक आधार विकसित करने में सफल रहा है। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और क्वांटम

कंप्यूटिंग जैसे क्षेत्रों में शोध को भी सराहा। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे डेटा गोपनीयता, पर्यावरणीय स्थिरता और डिजिटल असमानता जैसी वैश्विक चुनौतियों का उत्तरदायित्व और नैतिकता के नवाचार को मानवीय मूल्यों से निर्देशित होना चाहिए। राज्यपाल ने भारत की डिजिटल प्रगति, जैसे यूपीआई से लेकर अंतरिक्ष अभियानों तक का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान जैसी पहलों की सराहना की, जो शहरी और ग्रामीण भारत के बीच डिजिटल अंतर को पाटने का कार्य कर रही हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 दृष्टिकोण का हवाला देते हुए छात्रों से आग्रह किया कि वे एक विकसित, समावेशी और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को याद करते हुए राज्यपाल ने छात्रों से बड़े सपने देखने, कड़ी मेहनत करने और राष्ट्र व मानवता की सेवा में जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह दीक्षांत समारोह अंत नहीं, बल्कि एक नए भविष्य की शुरुआत है। असम को आप पर गर्व है, भारत को आप पर विश्वास है और आईआईआईटी गुवाहाटी सदैव आपके साथ रहेगा। इस अवसर पर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन, संस्थान के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष सत्यव्रत डे, निदेशक प्रो. शरत कुमार पात्र, रजिस्ट्रार डॉ. पल्लव बरुवा, शासी निकाय और सीनेट के सदस्य, डीन, संकाय सदस्य मौजूद रहे।

मायुमं एवं जागृति शाखा का नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच एवं उपचार शिविर का आयोजन

बंगाईगांव। मारवाड़ी युवा मंच बोंगाईगांव शाखा व जागृति शाखा द्वारा बी.डी.जी रमेश गोयल सेवा संस्थान के सहयोग से बीते 17 और 18 जून को मारवाड़ी प्रगतिशील भवन में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच एवं उपचार शिविर का आयोजन किया गया जिसमें करीबन 513 लोगों ने इस शिविर का लाभ उठाया। इस शिविर के दौरान विभिन्न तरह की चिकित्सा सुविधाएं जैसे डेंटल जांच एवं उपचार, इएनटी जांच एवं उपचार, नेत्र परीक्षण एवं उपचार, पैथोलॉजिकल लेब, एक्स-रे सुविधा, इसीजी जांच एवं जनरल ओपीडी सेवाएं आदि उपलब्ध थी। अत्याधुनिक मेडिकल सुविधाओं से लैस लोटस मेडिकल बस में डॉक्टर और विशेषज्ञों की टीम मौजूद थी और इसी बस में स्वास्थ जांच एवं चिकित्सा की व्यवस्था थी। इस कार्यक्रम के दोनों शाखाओं के अध्यक्ष,सचिव, मेडिकल चैयरमेन, स्थाई आमंत्रित सदस्य के अलावा कई सदस्य मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरुआत में डॉक्टर और उनके सहयोगियों का सम्मान किया गया और शाखा अध्यक्ष युवा गोविंद अग्रवाल तथा मंच के स्थायी आमंत्रित सदस्य युवा निर्मल कुमार बैद द्वारा फीता काटकर इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। चिकित्सा सेवा का लाभ उठाने वाले सभी लाभार्थियों एवं समाजसेवियों ने मारवाड़ी युवा मंच बंगाईगांव शाखा और जागृति शाखा के इस पहल की काफी सराहना की। अंत में शाखा सचिव धीरज शर्मा एवम जागृति शाखा की सचिव दीपाली अग्रवाल द्वारा सभी चिकित्सको एवं सदस्यों को धन्यवाद दिया गया। कार्यक्रम के सयोंजक मनीष लखोटिया , बिशाल जैन तथा नीलम अग्रवाल ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई!

श्रीभूमि में चार परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में शामिल हुए प्रभारी मंत्री कौशिक राय

श्रीभूमि (हिंस)। श्रीभूमि में आयोजित चार प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में शुक्रवार को राज्य के खाद्य वितरण एवं उपभोक्ता मामलों के विभाग, खनन एवं खनिज विभाग, बराक घाटी विकास विभाग तथा श्रीभूमि जिले के प्रभारी मंत्री कौशिक राय शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों के 5 किलोमीटर के दायरे में गौ वध प्रतिबंधित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जिला अधिकारियों को गौ वध निषेध कानून को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया है। मंत्री कौशिक राय श्रीभूमि जिला उपायुक्त कार्यालय पहुंचे और वहां के सभा कक्ष में डीडीसी दीपक जेडुंग की अध्यक्षता में जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में भाग लिया।

सम्मेलन कामरूप शाखा, महेश योग समिति और विवेकानंद केंद्र के सात दिवसीय योग शिविर संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा के तत्वाधान में विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी गुवाहाटी और महेश योग समिति के सहयोग से नारायण नगर राजहुआ सत्र में आयोजित सात दिवसीय योग शिविर का समापन किया गया। इस अवसर पर कलागुरु विष्णु प्रसाद राभा दिवस के उपलक्ष्य में उनके सांस्कृतिक अवदानों को याद करते हुए श्रद्धांजलि स्वरुप एक मिनट का मौन भी योग साधको द्वारा रखा गया। इस अवसर पर महेश योग समिति के सह आचार्य मदन मोहन मल्ल, शंकर बील, ताराचंद ठोलिया, कुंज बिहारी काबरा के अलावा विवेकानंद केंद्र के कार्यकर्ता रूपेश माथुर, संयंती दीदी,स्मिता दीदी, अलका गोरी और मीरा कुलकर्णी ने उपस्थित होकर योगाभ्यास में सहयोग दिया। समापन के अवसर पर शाखा अध्यक्ष अजीत शर्मा ने स्वागत संबोधन देते हुए सात दिवसीय योग शिविर को सफल बनाने में सभी का आभार प्रकट किया। राजाहुआ सत्र परिचालन समिति के सक्रिय सहयोग से यह सात दिवसीय शिविर का सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस अवसर पर सभी अतिथियों का फूलाम गमछा से सम्मान किया गया।

कार्यक्रम संयोजक संजय खेतान ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए बताया कि समापन सत्र में कल्याण भवन योग समिति दिसपुर, केंद्रीय विद्यालय योग समिति भांगागढ़, आस्था योग समिति फाटाशील के योग साधकों ने भाग लिया। कामरूप शाखा के निवर्तमान अध्यक्ष दिनेश गुप्ता, संस्थापक अध्यक्ष संपत मिश्र, शाखा कोषाध्यक्ष संजय गिरिया, सुरेश अग्रवाल, श्रीकांत बांका ने उपस्थित होकर सहयोग दिया।

चिरांग में राभा दिवस पर कलागुरु विष्णु प्रसाद राभा रंगमंच का उद्घाटन

चिरांग। ाभा दिवस के शुभ अवसर पर, शुक्रवार को सांसद (आरएस) रवांग्रा नरजारी ने डीसी चिरांग जतिन बोरा की गरिमामयी उपस्थिति में कलागुरु विष्णु प्रसाद राभा रंगमंच का औपचारिक उद्घाटन किया। यह आयोजन महान सांस्कृतिक प्रतीक कलागुरु विष्णु प्रसाद राभा के जीवन और योगदान को याद करने के लिए किया गया था। इस दिन के महत्व को और बढ़ाते हुए, चिरांग के डीसी ने कलागुरु विष्णु प्रसाद राभा के कालजयी गीतों को बजाने के लिए समर्पित एक विशेष वाहन को हरी झंडी दिखाई। इस पहल का उद्देश्य चिरांग जिले में उनकी धुनों और विरासत को फैलाना है, समुदायों को उनकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और स्थायी कलात्मक भावना से जोड़ना है। इस अवसर का जश्न मनाने और युवा पीढ़ी को जोड़ने के लिए, कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें क्विज, कला और गायन प्रतियोगिता शामिल थी, जो सभी कलागुरु राभा के जीवन और कार्य पर केंद्रित थीं। छात्रों और युवाओं की उत्साही भागीदारी ने समारोह में जीवंतता बढ़ा दी। विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए, उनकी रचनात्मकता और ज्ञान को मान्यता दी गई और असम के सांस्कृतिक और सामाजिक ताने-बाने में कलागुरु के स्थायी योगदान के बारे में जागरूकता को बढ़ावा दिया गया। कार्यक्रम का समापन गर्व और श्रद्धा की गहरी भावना के साथ हुआ, जिसमें कलागुरु विष्णु प्रसाद राभा की आवाज और दृष्टि की प्रतिध्वनि थी, जिनकी विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहती है।

जब एक खामोश थक्का जानलेवा बन जाता है

गुवाहाटी। डीप वेन थ्रोम्बोसिस (डीवीटी) और पल्मोनरी एम्बोलिज्म (पीई) अक्सर बिना किसी चेतावनी के हमला करते हैं, लेकिन उनके प्रभाव विनाशकारी हो सकते हैं। जागरूकता, समय पर निदान और निवारक देखभाल के साथ हम इस खामोश हत्यारे से लड़ सकते हैं इससे पहले कि यह किसी और की जान ले ले। डॉ. बालाजी वी, सीनियर कंसल्टेंट वैस्कुलर सर्जन, अपोलो हॉस्पिटल्स, चेन्नई ने कहा। यह डीवीटी के पीछे का भयानक सच है - एक ऐसी स्थिति जो समय पर पता न चलने पर खामोशी से जानलेवा बन सकती है। डीवीटी तब होता है जब पैरों की गहरी नसों में खून का थक्का बन जाता है। अगर यह थक्का निकलकर फेफड़ों तक पहुँच जाता है, तो यह पीई का कारण बन सकता है - जो संभावित रूप से जानलेवा जटिलता है। डीवीटी के लक्षणों के संकेत हैं: एक पैर में सूजन, दर्द या कोमलता, प्रभावित क्षेत्र पर गर्मी और लालिमा। पीई के लक्षण हैं: अचानक सांस फूलना, सीने में तेज दर्द, चक्कर आना या बेहोशी और खून की खांसी। वीटीई का निदान कलर डॉपलर, इकोकार्डियोग्राम और सीटी पल्मोनरी एंजियोग्राफी जैसे उपकरणों के साथ-साथ संपूर्ण चिकित्सा इतिहास और शारीरिक जांच के माध्यम से किया जाता है। उपचार का उद्देश्य रक्त को पतला करने वाली दवाओं और थक्का बस्टर के माध्यम से थक्के को बढ़ने या आगे बढ़ने से रोकना है। गंभीर मामलों में मैकेनिकल थ्रोम्बेक्टोमी, कैथेटर निर्देशित थ्रोम्बोसिस या वेना कावा फिल्टर जैसे सर्जिकल विकल्प।

सुलताना नजमुन नईम की सफलता से उत्साहित आलोपति चरवासी

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के चेंगा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आलोपति चर के निवासी स्वर्गीय हसन अली अहमद और शेख राहिला अहमद की बेटी सुल्ताना नजमुन नईम ने हाल ही में घोषित एमटेक बायो प्रोसेस टेक्नोलॉजी फाइनल परीक्षा के अंतिम सेमेस्टर में 100 प्रतिशत अंकों के साथ पास किया। गौरतलब है कि छात्र ने 2017 में स्थानीय डॉ. जाकिर हुसैन हायर सेकेंडरी स्कूल से हाईस्कूल की परीक्षा में फर्स्ट डिवीजन पास की थी और 2019 में गोलपारा कॉलेज से हायर सेकेंडरी स्कूल फाइनल परीक्षा में फर्स्ट डिवीजन पास की थी। जैव प्रौद्योगिकी विभाग में 83.6 प्रतिशत अंकों के साथ मास्टर डिग्री प्राप्त करने के बाद अंत में एम टेक बायो प्रोसेस टेक्नोलॉजी फाइनल एग्जाम अंतिम सेमेस्टर में वह शत प्रतिशत (एसजीपीए-10) हासिल करने में सफल रहा. सुल्ताना नजमुन नईम की सफलता ने उनके परिवार के साथ-साथ ग्रेटर आलोपति चर के शिक्षा के प्रति जागरूक माहौल को भी उत्साहित किया है।

संपादकीय

पीएम की दो टूक

अब भारत और उसके प्रधानमंत्री मोदी को यह मुद्दा दफन ही कर देना चाहिए। विपक्ष को भी समझना चाहिए कि यह राष्ट्रहित का मुद्दा नहीं है। विपक्ष को इस संदर्भ में मजाकिया टिप्पणियां करने से भी बाज आना चाहिए। सत्ता में आने का उसे भी मौका मिलेगा, तब भी अमरीकी राष्ट्रपति का यही रवैया रहा, तो क्या करेंगे? हमें यह इसलिए कहना पड़ रहा है, क्योंकि फोन पर प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की 35 मिनट लंबी बातचीत होने के बावजूद अमरीकी राष्ट्रपति वही पुराना, घिसा-पिटा राग अलाप रहे हैं। बेशक ट्रंप दुनिया की सबसे ताकतवर और संपन्न महाशक्ति के निर्वाचित राष्ट्रपति हैं, तो नरेंद्र मोदी भी सबसे अधिक आबादी, सबसे तेज विकसित होती अर्थव्यवस्था और दुनिया के सबसे व्यापक बाजार भारत के निर्वाचित प्रधानमंत्री हैं। भारत की अपनी संप्रभुता, सुरक्षा, सोच और क्षेत्रीय अखंडता है। जब प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को दो टूक समझा दिया कि भारत न तो मध्यस्थता स्वीकार करता है, न भारत-पाक संघर्ष को रोकने में किसी की मध्यस्थता स्वीकार की है और न ही कभी मध्यस्थता स्वीकार करेगा, तो फिर राष्ट्रपति ट्रंप को कौनसी भाषा समझ में आती है? दरअसल हम भारतीय महानतम चाणक्य की संतति हैं, भाषा के मर्म और संस्कारों को अच्छी तरह समझते हैं। हम किसी राष्ट्राध्यक्ष अथवा प्रधानमंत्री से इस भाषा में नहीं बोल सकते कि ट्रंप 'झूठा' है, गलत बोल रहा है। हमारी कूटनीति की संस्कारी भाषा यही है, जो प्रधानमंत्री मोदी ने अभिव्यक्त की है। दिलचस्प यह है कि फोनिक संवाद के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने, कनाडा से वापसी करते हुए, अमरीका आने का आमंत्रण दिया, जिस पर पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के मद्देनजर प्रधानमंत्री ने असमर्थता जता दी। राष्ट्रपति ट्रंप से एक मुलाकात और बातचीत के लिए राष्ट्राध्यक्ष और प्रधानमंत्री कतार लगाए प्रतीक्षारत हैं, लेकिन भारतीय प्रधानमंत्री इस न्योते को अस्वीकार करने का साहस दिखा सके, यही भारत की ताकत और हैसियत है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' और पाकपरस्त आतंकवाद पर राष्ट्रपति ट्रंप को खुलासा करते हुए यह भी स्पष्ट किया कि गिड़गिड़ाते पाकिस्तान के डीजीएमओ ने बातचीत और संघर्षविराम की गुहार लगाई थी, जिस पर भारत के ही डीजीएमओ ने सैन्य कार्रवाई स्थगित करने की सहमति जताई थी। गौरतलब तो यह है कि पहलगाम नरसंहार की तारीख 22 अप्रैल के बाद प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच पहली बार फोनिक बातचीत अब हुई है, तो मध्यस्थता के लिए किससे आग्रह किया गया था? प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद भारत के लिए 'प्रॉक्सी वॉर' नहीं, बल्कि युद्ध है और हम भविष्य में आतंकवाद से इसी आधार पर निपटेंगे। हमारा मानना है कि ट्रंप को यह समझ आ गया होगा! यदि फिर भी वह पुराना राग अलापते रहना चाहते हैं और पाकिस्तान को अमरीका का 'भरोसेमंद साझेदार' मानना चाहते हैं, तो यह उनकी इच्छा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने 'व्हाइट हाउस' में पाकिस्तान के फील्ड मार्शल जनरल आसिम मुनरो को लंच का आतिथ्य पेश किया है, तो यह अमरीका की कूटनीतिक, व्यापारिक और सामरिक विवशता हो सकती है। यदि अमरीका को ईरान पर हमला करना है, तो उसे पाकिस्तान के एयरबेस और हवाई क्षेत्र की जरूरत पड़ेगी। ईरान के साथ पाकिस्तान की 900 किमी लंबी सीमा है। विशेषज्ञों का मानना है कि नूरखान एयरबेस, जिसे भारत के हवाई हमलों ने तबाह कर दिया था, अमरीकी नियंत्रण में है। वहां पाकिस्तान के जनरल भी फटक नहीं सकते। बहरहाल उसकी मरम्मत कराई जा रही है। इसके अलावा, अमरीका की नजर पाकिस्तान के खनिज संसाधनों पर है। अमरीका ने क्रिप्टो करेंसी का मुख्यालय पाकिस्तान को बनाना तय किया है। वहां राष्ट्रपति ट्रंप के सुपुत्र और दामाद यह धंधा संभालेंगे। बहरहाल देश को प्रधानमंत्री, विदेश सचिव, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के बयानों को स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि वे ही भारत सरकार हैं। अब सब कुछ कहने-सुनने को संसद सत्र का इंतजार करना चाहिए।

> भारत-पाक संघर्ष को रोकने में किसी की मध्यस्थता स्वीकार की है और न ही कभी मध्यस्थता स्वीकार करेगा, तो फिर राष्ट्रपति ट्रंप को कौनसी भाषा समझ में आती है? दरअसल हम भारतीय महानतम चाणक्य की संतति हैं, भाषा के मर्म और संस्कारों को अच्छी तरह समझते हैं। हम किसी राष्ट्राध्यक्ष अथवा प्रधानमंत्री से इस भाषा में नहीं बोल सकते कि ट्रंप 'झूठा' है, गलत बोल रहा है। हमारी कूटनीति की संस्कारी भाषा यही है, जो प्रधानमंत्री मोदी ने अभिव्यक्त की है। दिलचस्प यह है कि फोनिक संवाद के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने, कनाडा से वापसी करते हुए, अमरीका आने का आमंत्रण दिया, जिस पर पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के मद्देनजर प्रधानमंत्री ने असमर्थता जता दी। राष्ट्रपति ट्रंप से एक मुलाकात और बातचीत के लिए राष्ट्राध्यक्ष और प्रधानमंत्री कतार लगाए प्रतीक्षारत हैं, लेकिन भारतीय प्रधानमंत्री इस न्योते को अस्वीकार करने का साहस दिखा सके, यही भारत की ताकत और हैसियत है।

आप का नजरीया

हिमाचल का पहलगाम

सरकार के कदम पहुंचते ही बंद फाइलें खुल जाती हैं, प्रदेश का बजट और योजनाएं आंखें खोल लेती हैं और विकास की प्राथमिकताएं नई कसरतें शुरू कर देती हैं। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने 'सरकार गांव के द्वार' में अब तक जो क्षेत्र मापे हैं, वे सभी अपनी विशेषताओं के आगोश में नई आर्थिकी की करवटें भी हैं। यह दीगर है कि अभी चंबा, लाहुल-स्पीति, कुल्लू व किन्नौर की प्रकृति में ही प्रक्रिमा के हस्ताक्षर करती उम्मीदें सामने आई हैं। अब बागा सराहन तक पहुंचे कदम ठिठक जाते हैं। प्रकृति अपने निखार को श्रृंखलाबद्ध करके हाजिरी लगाती है, तो मुख्यमंत्री का शिविर, 'सरकार पर्यटन का द्वार' बना देता है। पहली बार पर्यटन की अभिलाषा सरकार के साथ कदमताल करती है, तो संभावनाओं के अक्स में एक साथ कई पहलगाम, कदमताल करना शुरू कर देते हैं। सरकार तो पहुंच गई, लेकिन पर्यटक कैसे पहुंचें, क्योंकि आसान नहीं है इस क्षेत्र के मानचित्र को सडक़ की यात्रा से सीधे जोडऩा। अभी सारी कनेक्टिविटी रामपुर बुशहर और निरमंड के कठिन मार्ग से ही संभव है, जबकि सामने कुल्लू से आंख मिलाते इस स्थान को एक अदद आसान सी सडक़ चाहिए। हम बार-बार कहते आएं हैं कि पर्वतीय राज्यों में कुछ पर्यटन मार्ग चिन्हित होने चाहिएं। इसी परिप्रेक्ष्य में अगर कुल्लू से बागा सराहन की लगभग तीस किलोमीटर की दूरी पाट दी जाए, तो पूरा पर्यटन कश्मीर घाटी के तिलिस्मि को भूल जाएगा। बहुत पहले जब शांता कुमार प्रदेश के मुख्यमंत्री थे, तो उन्होंने खजियार के विकास को स्विट्जरलैंड की राह पर देखा, लेकिन आज तक हुआ कुछ भी नहीं। देखा जाए तो एडीबी प्रोत्साहित परियोजनाओं में भी पर्यटन विकास की परिपाटी विकसित करने के बजाय फिजूलखर्ची ही हुई या राजनीतिक तरफदारी में अनेक संभावनाएं गुम हो गईं। यही आश्चर्य बागा सराहन जैसे स्थानों को घोर उपेक्षा में देख रहा है। पिछली सरकार ने 'नई राहें-नई मंजिलों' के तहत तीन महत्त्वाकांक्षी परियोजनाएं शुरू की थीं, लेकिन पर्यटन दोहन की अति का एक नजारा आज का बीड़-बिलिंग है। नए क्षेत्रों के विकास को एक मॉडल के तहत ही स्थापित करना चाहिए। कल बागा-सराहन की हालत आज के बीड़-बिलिंग की तरह न हो, इसलिए आसपास के विस्तृत क्षेत्र को साडा के तहत लाकर टीसीपी कानून लागू कर देना चाहिए। बागा-सराहन को कश्मीर के पहलगाम से भी श्रेष्ठ रैंकिंग में लाना है, तो बीस-पच्चीस वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल के लिए पर्यटन एवं शहरी विकास योजना का मानचित्र तैयार करना होगा। आज से ही कंक्रीट के जरिए निर्माण को प्रतिबंधित करते हुए क्षेत्र को पारंपरिक वास्तुशास्त्र के तहत ही अनुमति प्रदान करनी होगी। कुछ साल पूर्व हमने सियासी कारणों से मनाली स्की विलेज की एक बड़ी परियोजना को शून्य किया था या आज पूरे मनाली क्षेत्र की आभा को ही कंक्रीट के बेहद इस्तेमाल से उजाड़ चुके हैं, तो बागा-सराहन को पर्यटन के भविष्य के रूप में सुसज्जित व सुव्यवस्थित करने के लिए एक अलग से प्राधिकरण या विकास बोर्ड का गठन करना होगा। मुख्यमंत्री ने कुल्लू से जोडऩे के लिए सडक़ सर्वेक्षण की घोषणा के अलावा ई कार्ट खरीद पर पचास फीसदी सबसिडी की घोषणा की है। पर्यटन विकास को अब विभिन्न डेस्टिनेशन के हिसाब से एक मॉडल के रूप में विकसित करना होगा। उदाहरण के लिए पालमपुर के आसपास हाई-वे टूरिज्म डेस्टिनेशन के प्रारूप में टूरिस्ट विलेज, मनोरंजन पार्क, टी टूरिज्म और फूड मार्ट से सुसज्जित करके वाइब्रेंट बनाना होगा।

भारतीय इतिहास के अनेक नायक ब्रिटिश शासकों की इस नीति का दंश आज भी भोग रहे

हमारे और अंग्रेजों के महाराजा रणजीत सिंह

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

> ब्रिटिश प्रशासनिक या सैन्य अधिकारियों ने ब्रिटिश राज के समय अनेक किताबें लिखीं थीं। क्योंकि अपने वक्त में वे पाठ्यक्रमों का हिस्सा बना दी गई थीं, इसलिए बाद के शोधशास्त्री भी उन्हीं ब्रिटिश प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा भारतीय इतिहास व सामाजिक संरचना पर की गई व्याख्याओं, मूल्यांकनों और निष्कर्षों को आगे बढ़ाते रहे। लेकिन समाज विज्ञान के अलग-अलग विषयों पर लिखने वाले इंग्लैंड से आए हुए ये प्रशासनिक अधिकारी इन विषयों पर लिखने के लिए न तो प्रशिक्षित थे और न ही वे उन विषयों के गहन ज्ञाता थे। इनका उद्देश्य भारतीय इतिहास या सामाजिक संरचना की अपने देश ब्रिटेन के उपनिवेशवादी हितों की पूर्ति के लिए व्याख्या करना मात्र था। उसी की पूर्ति के लिए ये भारतीय इतिहास में से नायक या खलनायक पैदा करते थे। भारतीयों के नायक को ये खलनायक और भारतीयों के खलनायक को नायक के रूप में सजा कर खड़ा कर देते थे।

भारत के इतिहास, यहां की रियासतों, मजहबों व समाज शास्त्र पर पर अनेक ब्रिटिश प्रशासनिक या सैन्य अधिकारियों ने ब्रिटिश राज के समय अनेक किताबें लिखीं थीं। क्योंकि अपने वक्त में वे पाठ्यक्रमों का हिस्सा बना दी गई थीं, इसलिए बाद के शोधशास्त्री भी उन्हीं ब्रिटिश प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा भारतीय इतिहास व सामाजिक संरचना पर की गई व्याख्याओं, मूल्यांकनों और निष्कर्षों को आगे बढ़ाते रहे। लेकिन समाज विज्ञान के अलग-अलग विषयों पर लिखने वाले इंग्लैंड से आए हुए ये प्रशासनिक अधिकारी इन विषयों पर लिखने के लिए न तो प्रशिक्षित थे और न ही वे उन विषयों के गहन ज्ञाता थे। इनका उद्देश्य भारतीय इतिहास या सामाजिक संरचना की अपने देश ब्रिटेन के उपनिवेशवादी हितों की पूर्ति के लिए व्याख्या करना मात्र था। उसी की पूर्ति के लिए ये भारतीय इतिहास में से नायक या खलनायक पैदा करते थे। भारतीयों के नायक को ये खलनायक और भारतीयों के खलनायक को नायक के रूप में सजा कर खड़ा कर देते थे। भारतीय इतिहास के अनेक नायक ब्रिटिश शासकों की इस नीति का दंश आज भी भोग रहे हैं। महाराजा रणजीत सिंह भी उनमें से एक हैं। रणजीत सिंह को ब्रिटिश इतिहासकारों ने अपने तरीके से सृजित किया है। उदाहरण के लिए लैपल ग्रिफ्फिन के रणजीत सिंह की चर्चा की जा सकती है। वैसे लैपल ग्रिफ्फिन प्रशिक्षण से इतिहासकार नहीं थे। वे हिंदुस्तान में यहां की सेना में एक उच्च ब्रिटिश अधिकारी थे। उनका नाम भी महाराजा रणजीत सिंह पर लिखने वालों में प्रमुखता से लिया जाता है। उन दिनों जिस प्रकार का रणजीत सिंह ब्रिटिश शासकों को अपने साम्राज्यवादी हितों के अनुकूल चाहिए था और वे भारतीय जनमानस में जैसी छवि रणजीत सिंह की स्थापित करना चाहते थे, लैपल ग्रिफ्फिन ने वैसे ही रणजीत सिंह की रचना की। बाहर से यह शरारत इतनी जल्दी पकड़ में नहीं आती। लेकिन भीतर गहरा झांकने से पाठक इस शरारत को पकड़ सकते हैं। महाराजा रणजीत सिंह का देहांत 27 जून 1839 को 58 साल की आयु में लाहौर में हुआ था। पंजाब/सप्त सिंधु पर 1846 में अंग्रेजों ने कब्जा कर लिया था। अंग्रेजों के शिकंजे में फंसने वाला सप्त सिंधु/पंजाब भारत का अंतिम भाग था। इससे पहले भारत का अधिकांश भाग उनके कब्जे में आ गया था। जाहिर है ब्रिटिश शासकों को आम जनता में अपने राज्य को बेहतर सिद्ध करने के लिए रणजीत सिंह और उनके राज्य को निकृष्ट सिद्ध करना जरूरी था। इसके लिए ब्रिटिश नौकरशाहों को ही इतिहासकार का बुर्का पहना कर रणजीत सिंह पर पुस्तकें लिखी गईं। इस प्रकार की किताबों को समझने के लिए एक अफ्रीकी कहावत हमारी सहायता कर सकती है। इस कहावत के अनुसार जब तक

इतिहासकार शिकारी का होगा, तब तक शिकार बनाई गई पार्टी का सही पक्ष सामने नहीं आ पाएगा। महाराजा रणजीत सिंह को लेकर लैपल ग्रिफ्फिन के महाराजा रणजीत सिंह का विश्लेषण उपरोक्त अफ्रीकी कहावत के आधार पर ही करना होगा। महाराजा रणजीत सिंह बुद्धिमान व दूरदृष्टि वाले शासक थे। वे जानते थे कि अंग्रेजों ने भारत के अधिकांश हिस्सों पर अपने पराक्रम से नहीं, बल्कि छल-कपट से कब्जा कर लिया था। अब वे पंजाब ही नहीं, बल्कि उससे भी आगे पूरे सप्त सिंधु क्षेत्र को हड़पना चाहते थे। असम पर उनका कब्जा हो ही चुका था। अब वे अफगानिस्तान तक पहुंच कर रूस को मध्य एशिया में आगे बढने से रोकना चाहते थे। इसलिए पश्चिमोत्तर भारत कर कब्जा करना जरूरी है। युवा रणजीत सिंह अंग्रेजों की इस गिद्ध दृष्टि को भांप गए थे। इसलिए उन्हें आगे बढने से किसी भी तरह रोकना ही होगा। लेकिन क्या यह एक छोटी सी मिसल का शासक बने रहने से संभव हो सकता है? उत्तर नकारात्मक ही था। युवा रणजीत सिंह समझ गए थे कि पूरे सप्त सिंधु क्षेत्र का एकीकरण करके एक सशक्त राज्य का गठन करना होगा, तभी अंग्रेजी शासन के विस्तार को रोका जा सकेगा। सारा क्षेत्र मुगल-अफगान शासकों के छोटे-छोटे शासकों में बंटा हुआ था। इन शासकों का भी कुछ सौ साल पहले तक पूरे हिंदुस्तान पर कब्जा था। अब यह कब्जा अंतिम सांस ले रहा था। रणजीत सिंह ने इस पूरे सप्त सिंधु क्षेत्र का एकीकरण किया और वे रणजीत सिंह से महाराजा रणजीत सिंह बन गए। लैपल ग्रिफ्फिन का कहना है कि रणजीत सिंह साधारण समुदाय में से थे। उनके पीछे किसी प्रतिष्ठित समाज की परंपरा नहीं थी। शायद लैपल ग्रिफ्फिन नहीं जानते कि भारत के इसी प्रकार के अनेक समुदाय अरबों, तुर्कों व मुगल हमलावरों से सैकड़ों साल जूझते रहे थे। हमलावरों के इतिहासकारों ने ही इन समुदायों को अपने इतिहास में दीन-हीन चित्रित किया और इनके शौर्य की गाथाएं छिपा दीं। जाहिर है उन दिनों इतिहासकार एटीएम (अरब, तुर्क, मुगल) मूल के हमलावरों के थे और वे अपने से लडने वालों की बहादुरी नहीं लिख सकते थे। अब इतिहासकार अंग्रेज हमलावरों के थे। शिकारियों के इतिहासकार अब रणजीत सिंह की बिरादरी को लेकर सवाल उठा रहे थे। आज जब विश्वविद्यालयों में भारतीय ज्ञान परंपरा की सर्वत्र चर्चा हो रही है तो महाराजा रणजीत सिंह के व्यक्तित्व व कृतित्व पर शिकारियों के इतिहासकारों ने जो धूल फैलाई हुई है, उसको साफ करने का समय आ गया है। लेकिन यह काम तभी संभव है यदि पहले यह पकड़ में आ जाए कि इन शिकारी इतिहासकारों ने यह धूल कहां और कैसी फैलाई है? इसे समझने के लिए लैपल ग्रिफ्फिन की महाराजा रणजीत सिंह पर लिखी गई यह पुस्तक उपयोगी है। लैपल ग्रिफ्फिन लिखता है, 'रणजीत सिंह ने जो बोया था, उसी प्रकार की फसल पैदा हुई। उनके पुरखे अंगूर खा गए, लेकिन उनकी संतान के दांत धारहीन निकले। जिस साम्राज्य की स्थापना हिंसा, छल और खून खराबे से हुई थी, वह अपने निर्माता के परलोक गमन के बाद अधिक समय तक टिक नहीं पाया। यह साम्राज्य एक व्यक्ति की सैन्य और प्रशासनिक प्रतिभा के कारण अस्तित्व में आया था, जो उसके बाद धूलि की तरह बिखर गया। जब वह आत्मा जिसने इस साम्राज्य को आकार दिया था, चली गई तो खालसा की विरासत अंग्रेजों के पास चली गई। अब अंग्रेज ही इस सत्ता के हकदार बनेंगे, जो केवल न्याय, शक्ति और लाभ के साथ शासन करेंगे। इसी के कारण साम्राज्य स्थायी बनते हैं।' लैपल ग्रिफ्फिन का यह विश्लेषण महत्वपूर्ण है और ब्रिटेन की साम्राज्यवादी चेतना को अनवरत करता है। रणजीत सिंह किसी व्यक्तिगत साम्राज्य का निर्माण नहीं कर रहे थे, बल्कि वे लगभग सात-आठ सौ साल से जिन एटीएम हमलावरों ने यहां अपना विदेशी साम्राज्य स्थापित कर लिया था, उनसे आजादी की लड़ाई लड़ रहे थे। इस लड़ाई में 1699 में 'खालसा की स्थापना' ने एक महत्वपूर्ण इबारत लिख दी थी। खालसा ने सप्त सिंधु क्षेत्र में यहां की सभी बिरादरियों को एक सांझे उद्देश्य के लिए एक मंच प्रदान कर दिया था। खालसा के झंडे तले पहली बार सभी बिरादरियां मसलन खत्री (खत्री तो इसके संस्थापक ही थे), जाट, राजपूत, ब्राह्मण, वाल्मीकि, गुज्जर, बंजारा एकजुट हो गई थीं। जिनको आजकल ओबीसी, एससी या एसटी कहा जाता है, वे सभी अपने पूर्वकाल के शौर्य को याद कर उत्साहित हो गए थे। रणजीत सिंह ने इसी अभियान को आगे बढ़ाया था। साम्राज्य स्थापित करने की विस्तारवादी चेतना का शिकार इंग्लैंड था और उसी के कारण वह एशिया और अफ्रीका को लूट रहा था। रणजीत सिंह विदेशी साम्राज्य को समाप्त करने की चेतना से अनुप्राणित साधक था। उसने साम्राज्य नहीं, बल्कि 'खालसा सरकार' की स्थापना की थी और खालसा लोकतंत्र की चेतना से संचालित था।

देश दुनीया से

राहुल गांधी के 'मिशन बिहार' को बड़ा झटका- अब कांग्रेस क्या करेगी?

कांग्रेस पार्टी को देशभर में मजबूत बनाने के अभियान में जुटे राहुल गांधी पिछले कुछ महीनों से लगातार बिहार का दौरा कर रहे हैं। वर्ष 2025 में वह अब तक कुल मिलाकर पांच बार बिहार का दौरा कर चुके हैं। अपने इन दौरे के दौरान कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बिहार के दलित मतदाताओं, अन्य पिछड़ी जाति के लोगों और अत्यंत पिछड़ी जाति के लोगों के साथ-साथ युवाओं और महिलाओं के साथ संवाद कर, उन्हें साधने की कोशिश की। पार्टी संगठन को धार और नई रफ्तार देने के लिए उन्होंने प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष से लेकर जिला अध्यक्षों तक को बदल दिया। जाहिर तौर पर, राहुल गांधी अपनी इन तमाम कोशिशों के जरिए बिहार में कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाने की रणनीति पर ही काम कर रहे थे। इसका एक मकसद और भी था कि बिहार में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी विपक्षी इंडिया गठबंधन (महागठबंधन) में ज्यादा से ज्यादा सीटें हासिल कर सकें। लेकिन राहुल गांधी के इस 'मिशन बिहार' को उनके अपने ही सहयोगी दल राष्ट्रीय जनता दल ने बड़ा झटका दे दिया है। लालू यादव के फॉर्मूले ने कांग्रेस पार्टी को बेचैन कर दिया है। कांग्रेस 2020 की तरह इस बार भी 70 विधानसभा सीटों पर ही चुनाव लड़ना चाहती है लेकिन राजद ने इतनी सीटें देने से साफ-साफ इनकार कर दिया है। यानी अब यह तय हो गया है कि विपक्षी महागठबंधन में कांग्रेस को इस बार 2020 की तरह 70 सीटें नहीं मिलेगी। गठबंधन और सीटों को लेकर होने वाली बैठकों की अध्यक्षता भले ही तेजस्वी यादव कर रहे हो लेकिन पर्दे के पीछे से सब कुछ लालू यादव ही तय कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, राजद ने यह साफ कर दिया है कि राजनीतिक दलों की संख्या और क्षमता के आधार पर गठबंधन में कांग्रेस को लगभग 53 सीटें ही मिल

सकती है। बिहार में वर्ष 2020 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के सबसे बड़े दल के तौर पर राजद 144 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। जबकि कांग्रेस के खाते में 70 सीटें आई थी। सीपीआई-माले 19, सीपीआई 6 और सीपीएम 4 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ी थी। पिछले विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन के साथ चुनाव लड़ने वाले मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी भी इस बार विपक्षी गठबंधन का हिस्सा है। एक तरफ जहां मुकेश सहनी की पार्टी को सीट बंटवारे में एडजस्ट करने की चुनौती है वहीं लेफ्ट फ्रंट के दल खासकर सीपीआई-माले सीट बढ़ाने की मांग को लेकर अड़ गया है। ऐसे में लालू यादव भी अपनी पार्टी के कोटे को घटाने पर तैयार हो गए हैं। लेकिन वो किसी भी कीमत पर 140 से कम पर जाने को तैयार नहीं है। सूत्रों के मुताबिक, तेजस्वी यादव ने कांग्रेस के सामने जो पहला फॉर्मूला रखा है उसके तहत आरजेडी 144 की बजाय 140 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पिछली बार की तरह ही इस बार भी सीपीआई को 6 और सीपीएम को 4 सीटें ही दी जाएगी। लेकिन सीपीआई-माले को 6 सीटें बढ़ाकर 25 सीटें दी जा सकती है। मुकेश सहनी की पार्टी वीआईपी को 15 सीटों पर लड़ाया जाएगा। वहीं पिछली बार 70 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस को इस बार 53 सीटों के आसपास ही संतोष करना पड़ेगा। इस फॉर्मूले में 2-3 सीटों का हेरफेर किया जा सकता है। लेकिन अगर आने वाले दिनों में पशुपति पारस, असदुद्दीन ओवैसी, हेमंत सोरेन और अखिलेश यादव को भी बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर गठबंधन में शामिल किया गया तो फिर सभी दलों को त्याग करना पड़ेगा। ऐसे हालात में, कांग्रेस के हाथ में सिर्फ 45-46 सीटें ही आ पाएंगी। यानी लालू यादव के पहले फॉर्मूले के तहत कांग्रेस को 53-55 और दूसरे फॉर्मूले के तहत सिर्फ 45-46 सीटें ही मिल सकती है। आपको याद दिला दें कि, वर्ष 2020 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान राजद मुखिया लालू यादव जेल में थे। यह आरोप लगाया जाता है कि लालू यादव के जेल में रहने का फायदा उठाते हुए कांग्रेस ने तेजस्वी यादव पर दबाव डालकर गठबंधन में 70 सीटें झटक ली। लेकिन 70 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस सिर्फ 19 सीटों पर ही जीत हासिल कर पाई। लालू यादव और तेजस्वी यादव सहित विपक्षी गठबंधन के कई नेताओं का यह मानना है कि कांग्रेस के खराब प्रदर्शन के कारण ही बिहार में नीतीश कुमार फिर से मुख्यमंत्री बनने में कामयाब हो गए थे। लालू यादव 2020 के विधानसभा चुनाव के समय पर जेल में थे लेकिन इस बार बाहर है और सीट बंटवारे के अपने फॉर्मूले पर अडिग है। राजद के इस फॉर्मूले ने कांग्रेस नेताओं को दुविधा की स्थिति में डाल दिया है। अब गेंद राहुल गांधी के पाले में है कि वह इतनी ही सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार हो जाएं या सीधे लालू यादव से बात करके कांग्रेस के कोटे की सीटों की संख्या को बढ़ाने का प्रयास करें। हालांकि बिहार में कांग्रेस के कई नेता दबी जुबान में एक तीसरे विकल्प की बात भी कर रहे हैं। तीसरा विकल्प यानी राहुल गांधी बिहार में अन्य छोटे-छोटे दलों को साथ लेकर तीसरा मोर्चा बनाए और बड़े भाई की भूमिका में चुनाव लड़ जाएं।

कुछ अलग

मैं रॉयल्टी नहीं दे पाऊंगा

मेरे एक अंतरंग प्रकाशक मित्र हैं। जब भी मिलते हैं या बात करते हैं तो यही कहते हैं कि अमुक लेखक रॉयल्टी की मांग कर रहा है या फलां लेखक ने मुझसे दस प्रतिशत रॉयल्टी मांगी। यह कहकर वे इस तरह हंसते हैं, मानो लेखक ने रॉयल्टी मांग कर अपराध कर दिया हो। उनका कहना है कि लेखक अपना पारिश्रमिक लम-सम में एकमुश्त ले ले, लेकिन यह रॉयल्टी का लफड़ा माथाफोड़ी का है, अतः मैं इससे बचना चाहता हूं। रॉयल्टी सा'ब ज्यादा से ज्यादा पाठ्य पुस्तकों की दी जा सकती है। यह जनरल बुक्स में रॉयल्टी का चक्कर बुरा। मैंने अनेक बार तर्क भी दिए कि किताब बिकती है तो रॉयल्टी देने में क्या परेशानी है? उनका जवाब होता है कि साहित्य अब बिकता नहीं है और वे जो बेच रहे हैं, उसके हथकंडे सनसनीखेज हैं। लायब्रेरियन कमीशन लेते हैं, उसके बाद मार्जिन रहता नहीं है कि लेखक को रॉयल्टी दी जाए। यानी लाभ का उन तक का तो मार्जिन है, लेकिन लेखक की रॉयल्टी गोल हो गई है। गोया पुस्तक व्यवसाय में लाभ का मार्जिन लेखक की रॉयल्टी मारने तक है, आगे हानि ही हानि है। मेरे एक असली साहित्यकार भी मित्र हैं। मैं मानता हूं उन्हें अपना मित्र, पता नहीं वे मानते हैं या नहीं। क्योंकि वे जब आते हैं तो अपने आपको बहुत ही अटपटा-सा महसूस करते हैं कि वे मेरे पास क्यों आए। अब चूंकि काम उनको ही होता है तो उन्हें ही आना पड़ता है। साहित्य की घनघोर घटाओं से आच्छादित रहते हैं, लेकिन अभी जिस दिन वे आए थे, साहित्य का सारा बखेड़ा घर छोड़ आए थे। बहुत ही आत्मीय भाव से बोले-'अमां शर्मा जी, यह रॉयल्टी क्या होती है?' मैं चौंका ऊपर से नीचे तक, मैंने उन्हें देखा और कहा-'आपको यह शब्द कहां मिला? आपके शब्दकोश में तो यह था नहीं? यह तो व्यावसायिक लेखकों की लूट में शामिल है। आपका क्या लेना-देना है इस रॉयल्टी से?' वे बोले-'मजाक छोड़ो यार, यह बताओ, यह कैसे मिलती है?' मैंने कहा-'इसका मिलना इतना आसान नहीं है जितना आपने समझा है। पहले तो किताब लिखनी पड़ती है। फिर छपवाने का पापड़ बेलना पड़ता है। इसके बाद किताब बिके तत्पश्चात राजी हो तो वह मु_ी बांध कर जो दे दे, वही रॉयल्टी मानकर मन को प्रसन्न कर लो।' वे बोले-'नहीं शर्मा जी, सुना है दस प्रतिशत तक रॉयल्टी मिलती बताई।' मैंने कहा-'मुझे तो दस ही प्रतिशत मिलती है, लेकिन आपकी बाजार में क्या पोजीशन है, घूमकर पता कर लें। यदि भाव है तो मिल जाएगी रॉयल्टी। एक बात और, मेरे जो परम प्रिय प्रकाशक मित्र हैं, उनके पास जाकर तो आप रॉयल्टी का नाम भी मत लेना। वे रॉयल्टी मांगने वाले से बोलचाल भी नहीं रखते। किसी और को पकडऩा। हो सकता है रॉयल्टी मिल जाए।' यह कहकर मैं हंसा तो असली साहित्यकार जी के कान खड़े हो गए, वे बोले-'आप हंसे क्यों?' मैं बोला-'आपके मुखारविंद से रॉयल्टी शब्द सुनकर मुझे हंसी आ रही है।'

दृष्टि कोण

स्मोकिंग और सांसें – ये रिश्ता क्या कहलाता है

हमें जिंदा रहने के लिए क्या चाहिए? आप शायद इस सवाल पर हंस रहे होंगे कि कितना बचकाना सवाल है। बच्चा-बच्चा जानता है, कि जीवित रहने के लिए हमारी सांसों का चलना बहुत जरूरी है। सांसें गईं, तो सब गया। मतलब इन्सान खत्म। जितना सच ये है कि, सांसों की जरूरत के बारे में सबको पता है, उतना ही बड़ा सच ये भी है कि, शायद ही कोई ऐसा इन्सान होगा, जिसे पता नहीं होगा कि स्मोकिंग और सांसों के बीच क्या रिश्ता है। स्मोकिंग का सीधा संबंध, हमारे फेफड़ों से है। स्मोकिंग चाहे किसी भी रूप में हो, वो इन्सान के फेफड़ों को तबाह कर देती है। फेफड़े ही हैं, जो हमारी सांसों को चलता रखते हैं। ये खराब होते हैं, तो सांसों की लड़ी भी टूटने लगती है, बिखरने लगती है। इस बात में भी सौ प्रतिशत सच्चाई है कि सब जानते हैं कि स्मोकिंग करना गलत है। इससे फेफड़े खराब होते हैं। सिगरेट की डिब्बी पर भी लिखा होता है कि ये स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इससे कैंसर होने का डर होता है। लेकिन फिर भी स्मोकिंग का चलन कम होने की बजाय, बढ़ता ही जा रहा है। ऐसा क्यों है?

हर जगह मौजूद हूं मैं : इसका मुख्य कारण है – स्मोकिंग प्रोडक्ट आसानी से मिलना। 18 साल से ऊपर का कोई भी व्यक्ति बड़े आराम से इन्हें खरीद सकता है। ये हर किसी के लिए आसानी से उपलब्ध हैं। और कुछ मिले न मिले, हर गली-नुक्कड़ की दुकान मिल जाती है, जहां इन्सान के फेफड़ों को गलाने का सामान धड़ल्ले से बेचा जाता है। डिटेक्टिव गुरू राहुल राय गुप्ता कहते हैं, "मैंने जबसे अपनी कंपनी खोली है, तब से यही नियम बनाया है कि, स्मोकिंग करने वाला कोई भी इन्सान हमारी कंपनी में काम नहीं करेगा।

इंटरव्यू के दौरान, कैंडिडेट से पूछा जाता है कि वो स्मोकिंग तो नहीं करता। मेरे ख्याल से हर ऑफिस में यही नियम होना चाहिए। मेरी कंपनी में ही नहीं, बल्कि मेरे घर में भी कोई स्मोकिंग नहीं कर सकता। मैं अपनी गाड़ी में किसी को स्मोकिंग करने की परमिशन नहीं देता, चाहे वो इन्सान कितना भी खास क्यों न हो। लेकिन बड़े अफसोस की बात है कि, बड़ी-बड़ी कंपनियां अलग से 'स्मोकिंग ज़ोन' बनाती हैं, जहां लोग 'स्मोक ब्रेक' के लिये जाते हैं। ये एक तरह से उन लोगों के साथ सहानुभूति की तरह लगता है। उनकी जरूरत बना दिया गया है। जिसको पूरा करना कंपनी अपना फर्ज समझती है। हर एयरपोर्ट पर ऐसे ज़ोन बने होते हैं। ऐसे जोन्स की जरूरत ही बताती है कि हम स्मोकिंग रोकने को कितना सीरियसली लेते हैं।"

बड़ी-बड़ी हस्तियां गुलाम हैं मेरी : स्मोकिंग के बढ़ते चलन का एक और बड़ा कारण है – फिल्मों, सीरीज में इसका बहुत ज्यादा प्रयोग। बॉलिवुड की फिल्में हों, या टॉलिवुड की या फिर हॉलिवुड की, हर जगह पात्रों से इतनी ज्यादा स्मोकिंग करवाई जाती है, कि दर्शकों को लगने लगता है कि, स्मोकिंग इन्सान की ज़िंदगी का एक अभिन्न अंग है। ये कोई खराब बात नहीं है। आपने देखा होगा कि, जैसे ही फिल्म या सीरीज के मुख्य पात्र को कोई टेंशन होती है, तो वो झट से सिगरेट सुलगा लेता है। इससे दर्शकों के मन में ये संदेश जाता है कि, स्मोकिंग, तनाव को दूर करती है। जब लोग अपने मनपसंद हीरो को पर्दे पर स्मोकिंग करते देखते हैं, तो उनको लगता है कि ये तो आम बात है। ऐसा सब करते हैं। यही नहीं, जब असली ज़िंदगी में भी लोग, बड़े-बड़े एक्टर्स के बारे में पढ़ते हैं, कि उसे स्मोकिंग करने की लत है, तो वो उनको और ज्यादा प्रोत्साहन मिलता है। उनको लगता है कि, एक्टर्स तो अपने स्वास्थ्य को बेहद गंभीरता से लेते हैं। क्या उनको अपनी ज़िंदगी की फिक्र नहीं है? मतलब, वो ये मान लेते हैं कि ये इतनी बड़ी या गलत बात नहीं है। फिल्मों और सीरीज में बेवजह ही ऐसे सीन ठूंस दिए जाते हैं। कहानी की मांग कहकर, निर्माता-निर्देशक इससे अपना पीछा छुड़ा लेते हैं। लेकिन हर कहानी की मांग ऐसी नहीं होती कि फ्लां व्यक्ति चेन स्मोकर है। पूरा दिन स्मोकिंग करता रहता है।

सेवा, सुशासन और विकास के ब्रांड एंबेसडर हैं सीएम योगी : नंदी

गोरखपुर (हिंस)। भगवानपुर टोल प्लाजा पर गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए औद्योगिक विकास विभाग के मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सेवा, सुशासन और विकास के ब्रांड एंबेसडर हैं। उनके नेतृत्व में आठ साल में विकास के नित नए आयाम छूते हुए उत्तर प्रदेश देश में निवेश का सबसे अच्छा गंतव्य बना है। नंदी ने कहा कि विकास में कनेक्टिविटी की सीधी भूमिका होती है। कनेक्टिविटी जितनी बेहतर होगी, विकास की रफ्तार उतनी तेज होगी। उन्होंने कहा कि आज यूपी रोड, रेल और एयर कनेक्टिविटी में बेजोड़ है। यही नहीं लैंड लॉक माने जाने वाले इस प्रदेश में वाराणसी-हल्दिया वाटरवे भी बन गया है। नंदी ने कहा कि गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे सिर्फ सड़क नहीं है बल्कि विकास की नई दिशा और समृद्धि का नया मार्ग है। उन्होंने कहा कि आज यूपी भारत की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बना है तो इसमें कनेक्टिविटी का बड़ा योगदान है। प्रदेश के जलशक्ति मंत्री और गोरखपुर जिले के प्रभारी मंत्री

स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुरक्षा का माहौल देकर उत्तर प्रदेश को प्रगति का रास्ता दिखाया है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के लोकार्पण समारोह में उन्होंने कहा कि जनता ही सीएम योगी की ताकत है और इसी ताकत के दम पर आठ साल में एक दिन छुट्टी लिए बिना उन्होंने प्रदेश को गुंडागर्दी से मुक्ति दिलाई है। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले प्रदेश में बम फटते थे अब बम न फटने की गारंटी है। 2017 के पूर्व शाम पांच बजे के बाद बेटी घर से नहीं निकल पाती थी जबकि आज रात बारह बजे भी वह सुरक्षित है। श्री सिंह ने कहा विकास करने के साथ मुख्यमंत्री ने थारू, मुसहर, वनटांगिया सहित सभी का उत्थान किया है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के लोकार्पण समारोह में गोरखपुर के सांसद रविकिशन ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी में अमेरिका जैसी सड़कें बनवा दीं हैं। यह प्रदेश की जनता को वोट के बदले सौगात है। रविकिशन ने कहा मोदी और योगी की सरकार जनता का पैसा जनता पर ही खर्च करती है। एक्सप्रेसवे इसी का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि सुविधानजक और सुरक्षित एक्सप्रेसवे प्रदेश के विकास को भी गति देगा। इसके किनारे उद्योग लगेंगे और बड़े पैमाने पर लोगों को रोजगार मिलेगा। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे से पूर्वांचल के विकास को नई उड़ान मिलेगी। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के लोकार्पण अवसर पर भगवानपुर टोल प्लाजा पर आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री व अन्य अभ्यागतों का स्वागत करते हुए प्रदेश के मुख्य सचिव एवं यूपीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी मनोज कुमार सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश को एक्सप्रेसवे प्रदेश की पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि देश में 42 प्रतिशत एक्सेस कंट्रोल एक्सप्रेसवे की सर्वाधिक भागीदारी अकेले उत्तर प्रदेश की है। गंगा एक्सप्रेसवे का कार्य पूरा होते ही यह बढ़कर 62 प्रतिशत हो जाएगी। उन्होंने कहा कि गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ औद्योगिक क्लस्टर बनेंगे। इसके लिए गोरखपुर में 150 एकड़ और अंबेडकर नगर में एक हजार एकड़ जमीन अधिग्रहित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि यह एक्सप्रेसवे उम्मीदों और अवसर का मार्ग बनेगा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद, राज्यमंत्री जसवंत सिंह सैनी, विजयलक्ष्मी गौतम, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक फतेह बहादुर सिंह, श्रीराम चौहान, राजेश त्रिपाठी, विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, डॉ. विमलेश पासवान, प्रदीप शुक्ल, सरवन निषाद, गणेश चौहान, एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, प्रदेश सरकार के सलाहकार अवनीश अवस्थी, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, भाजपा के जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

राजस्थानी चित्रकला का आधार हैं महाराणा प्रताप : सक्सेना

उदयपुर (हिंस)। ऐतिहासिक हल्दीघाटी विजय दिवस के 450वें वर्ष में प्रवेश पर उदयपुर के प्रताप गौरव केंद्र राष्ट्रीय तीर्थ के तत्वावधान में 18 से 25 जून तक चल रहे हल्दीघाटी विजय सार्द्ध चतु: शती समारोह के प्रथम सोपान के तहत मेवाड़ लघु चित्रकला व पुरा लिपि कार्यशाला में प्रतिभागियों का उत्साह देखते ही बन रहा है। कार्यशाला में पठन-पाठन-प्रशिक्षण-प्रात्यक्षिक के साथ विषय विशेषज्ञों से चर्चा का दौर भी जारी है। कार्यशाला के तहत शुक्रवार को प्रताप गौरव केंद्र के पद्मिनी सभागार में *महाराणा प्रताप कालीन मेवाड़ लघुचित्र शैली का स्वरूप* विषयक कला चर्चा का आयोजन हुआ। वक्ता के रूप में केंद्र के निदेशक अनुराग सक्सेना ने कहा कि हम प्रताप को एक महान योद्धा के रूप में जानते हैं, परंतु उनका कला-प्रेम व चित्रकला संवर्द्धन में योगदान कम चर्चित है। इस पर शोध की अत्यधिक आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि महाराणा प्रताप के समय चावंड शैली का विकास हुआ, जो राजस्थानी चित्रकला की सबसे प्राचीन आधारशिला मानी जाती है। इस शैली में ब्रह्मा-सरस्वती जैसे विषयों पर चित्रांकन हुआ और रागमाला की शुरुआत इसी काल से मानी जाती है, जो अमरसिंह के समय तक चलती रही। सक्सेना ने बताया कि प्रारंभिक चित्रों में लाल व पीले रंगों का अधिक उपयोग हुआ, जबकि नीला व हरा रंग अपेक्षाकृत कम था। रंग संयोजन अत्यंत सुंदर व सुसंगत है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि महाराणा प्रताप ने कृषि सुधार हेतु *विश्ववल्लभ* जैसे ग्रंथों की रचना भी करवाई। इससे पूर्व, *महाराणा राज सिंह कला के संदर्भ में* हुई कला चर्चा में राजकीय महाविद्यालय, नाथद्वारा के सेवानिवृत्त आचार्य एवं वरिष्ठ कला समीक्षक प्रो. युगल किशोर शर्मा ने कहा कि मेवाड़ लघुचित्र शैली केवल एक चित्र प्रवृत्ति नहीं, बल्कि राजस्थानी चित्रकला की मूल धारा है।

अब सरकारी स्कूल के छात्र पढ़ेंगे फ्रेंच भाषा टीचरों से मांगे गए आवेदन

फरीदाबाद (हिंस)। सरकारी स्कूलों के छात्रों को फ्रेंच भाषा सिखाने की कवायद शुरू कर दी गई है। सबसे पहले अध्यापकों को इस भाषा में दक्ष बनाया जाएगा। फ्रेंच भाषा सीखने और सीखाने के इच्छुक अध्यापकों से आवेदन मांगे गए हैं। आवेदन के बाद अध्यापक अंग्रेजी भाषा में एक निबंध और दो मिनट की वीडियो रिकार्ड करके एमआइएस पोर्टल पर अपलोड करना है। जिला शिक्षा विभाग के अधिकारियों के मुताबिक इस योजना के तहत सरकारी स्कूलों के कक्षा 9वीं और 12वीं के छात्रों को फ्रेंच भाषा पढ़ाई जाएगी। इसके लिए हरियाणा सरकार फ्रांस सरकार के साथ एमओयू कर लिया है। शिक्षकों को फ्रांस में प्रशिक्षित किया जाएगा। इसका उद्देश्य है कि छात्रों को वैश्विक नागरिक बनने के लिए तैयार करना और फ्रेंच भाषा व संस्कृति के बारे में जानने का अवसर प्रदान करना है। इसके साथ ही छात्रों की भाषा कौशल और सांस्कृतिक समझ में सुधार करना है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत शिक्षा निदेशालय आगामी शैक्षणिक सत्र से सरकारी स्कूलों में फ्रेंच को विदेशी भाषा के रूप में शुरू कर रहा है। इस संबंध में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मार्च 2025 में बजट सत्र के दौरान घोषणा की थी। जिला स्तर पर स्थित मॉडल संस्कृति स्कूलों के शिक्षकों को इसके लिए तैयारी करने की हिदायत दी गई है। अगले सत्र से सरकारी स्कूलों में फ्रेंच भाषा पढ़ाई जाएगी। इस संबंध में स्कूलों को निदेशालय की ओर से पत्र भी जारी किया गया है। उप जिला शिक्षा अधिकारी डा. मनोज मित्तल का कहना है कि शिक्षकों के चयन की प्रक्रिया चल रही है। अगले सत्र से फ्रेंच भाषा सबसे पहले माडल संस्कृति स्कूलों में शुरू करने की तैयारी है। इसके बाद अन्य स्कूलों के छात्र में फ्रेंच सीखेंगे। इससे छात्रों को दूसरे देशों की भाषा सीखने का अवसर मिलेगा।

स्वदेशी जागरण मंच ने किया चीन-तुर्की के सामानों के बहिष्कार का आह्वान

जयपुर (हिंस)। स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत सह संयोजक लोकेंद्र सिंह नरूका ने शुक्रवार को जगतपुरा में आयोजित बैठक में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन और तुर्की ने पाकिस्तान का समर्थन कर भारत के खिलाफ भूमिका निभाई है। इन देशों को करारा जवाब देने का सबसे सशक्त माध्यम है-उनके उत्पादों का पूर्ण बहिष्कार। वे स्वदेशी जागरण मंच जयपुर महानगर एवं सांगानेर इकाई की संयुक्त कार्यकर्ता बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे। बैठक की अध्यक्षता जयपुर विभाग संयोजक दिनेश चंद शर्मा ने की। नरूका ने कहा कि दिल्ली से शुरू हुए *स्वदेशी सुरक्षा एवं स्वावलंबन अभियान* के तहत देश भर में जनजागरण किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य देशवासियों को स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग के लिए प्रेरित करना है ताकि भारत आर्थिक रूप से सशक्त बन सके। गांव-गांव जाकर स्थानीय व्यापारियों से स्वदेशी उत्पाद बेचने का संकल्प भी करवाया जाएगा। बैठक में प्रांत कोष प्रमुख ओमप्रकाश कुमावत, विभाग सह संयोजक रामप्रसाद शर्मा, महानगर संयोजक शंभूसिंह राजावत, सह संयोजक डॉ. योगेंद्र सिंह, विचार विभाग प्रमुख राजेश कंदोई, भाग संयोजक हनुपाल जादौन, सांगानेर संयोजक शेरसिंह, विनय कुमार शर्मा, जितेंद्र मालव, संपर्क प्रमुख रतन शर्मा, नगर संयोजक राजेश कुमार, आशीष रावल आदि उपस्थित रहे।

पुरानी आदत है, अनर्गल बयान देकर सुर्खियों में बना रहना चाहते हैं डोटासरा : राजेंद्र राठौड़

सीकर (हिंस)। विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा है कि लोकतंत्र में हार-जीत सिक्के के दो पहलू हैं। हारने के बाद भी अगर डोटासरा मुझे शक्तिशाली मानते हैं या मैं पानी रोक सकता हूं तो उनका बहुत-बहुत धन्यवाद। राठौड़ ने कहा कि यह भजनलाल की सरकार, डबल इंजन की सरकार है। इनकी कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। जब डोटासरा को सरकार की आलोचना करने का कोई तार्किक अवसर नहीं मिलता। तब वह इस प्रकार के अनर्गल बयान देकर सुर्खियों में बना रहना चाहते हैं। यह उनकी पुरानी आदत है। लेकिन डोटासरा के बयान को कोई गंभीरता से नहीं लेता। पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा के चूरू से पानी रोकने वाले बयान पर पलटवार करते राठौड़ ने यह बात कही। सीकर के जैन भवन में आयोजित राव राजा कल्याण सिंह की 139वीं जयंती समारोह में आए राठौड़ ने कहा कि राव राजा कल्याण सिंह जी ने जितना सीकर का कल्याण किया है वह अद्वितीय है। सीकर जिला बनाने में राजा कल्याण

सिंह का बहुत बड़ा योगदान था। तब से यहां पर प्रगति की राह खुली हुई है। कल्याण सिंह का शिक्षा के क्षेत्र में भी बहुत बड़ा योगदान रहा है। शहर की बड़ी बिल्डिंग, इमारतें स्कूल-कॉलेज कल्याण सिंह की देन है। कार्यक्रम में सीकर में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाजसेवी लोगों, छात्रों व युवाओं को सम्मानित किया गया। साथ ही शहर के समाजसेवी डॉ. वीके जैन को राव राजा कल्याण सिंह अलंकरण अवार्ड से सम्मानित किया। राजेन्द्र राठौड़ व कमेटी के सदस्यों ने वीके जैन को 1 लाख रुपए का चेक प्रदान किया गया। वहीं नीट 2025 में ऑल इंडिया टॉपर रहे महेश कुमार व 2024 में सीबीएसई टॉपर रही 12वीं क्लास की छात्रा खुशी शेखावत को सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि डोटासरा ने 10 जून को सीकर के प्रधानजी का जाव में आयोजित कांग्रेस की *संविधान बचाओ रैली* में कहा था कि *चूरू से हारे हुए लोग, सीकर का पानी रोक देते हैं। इसलिए पानी सीकर तक नहीं पहुंच पाता।*

नीट 2025 परीक्षा में भारत में प्रथम रहने वाले महेश कुमार ने की राज्यपाल से मुलाकात

जयपुर (हिंस)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से राजभवन में शुक्रवार को *नीट यूजी 2025* परीक्षा में पूरे भारत में पहला स्थान प्राप्त करने वाले हनुमानगढ़ के छात्र महेश कुमार ने अपने परिजनों के साथ मुलाकात की। राज्यपाल ने महेश कुमार को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने महेश का शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया और भगवान श्री गणेश की प्रतिमा भी उपहार स्वरूप भेंट की। राज्यपाल ने इस दौरान महेश की अपने परिवार और गांव का नाम रोशन करने के साथ राजस्थान को देश भर में गौरव दिलाने के लिए सराहना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि चिकित्सा क्षेत्र में भी वह राष्ट्र को भविष्य में गौरवान्वित करेगा।

अधिवक्ता को जिंदा जलाने की धमकी देने वालों की गिरफ्तारी न होने पर भड़के दलित

हिसार (हिंस)। भाटला गांव के दलितों ने हांसी में पुलिस की दलित विरोधी कार्रवाई का आरोप लगाते हुए लघु सचिवालय के समक्ष प्रदर्शन किया तथा पुलिस व सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया। भाटला सामाजिक बहिष्कार प्रकरण के मामले में कानूनी व सामाजिक लड़ाई लड़ने के लिए गठित भाटला दलित संघर्ष समिति के सदस्यों विकास भाटला, सुनील भाटला, जय भगवान भाटला, अजय भाटला, अमिताभ दहिया, सचिन चोपड़ा, राजेश भाटला ने शुक्रवार को लघु सचिवालय के सामने धरना प्रदर्शन में पुलिस पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि भाटला सामाजिक बहिष्कार प्रकरण के लिए गठित टीम के हांसी दौरे के समय सामाजिक बहिष्कार के आरोपियों द्वारा सरेआम हांसी के विश्राम गृह के सामने जाट धर्मशाला पर दलित पीड़ित मीर सिंह को धमकी दी कि जिन-जिन दलितों ने टीम के सामने बयान दिए हैं उन सब की गांव में जाकर टांगे काटेंगे। इस बारे में शहर थाना में एफआईआर दर्ज है लेकिन पुलिस ने आज तक दोनों आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया है। भाटला दलित संघर्ष समिति के सदस्यों ने आरोप लगाया कि सामाजिक बहिष्कार के आरोपियों ने विश्रामगृह में ही अधिवक्ता रजत कलसन को जिंदा जलाने की धमकी दी तथा इस बारे में सामाजिक बहिष्कार के पीड़ितों ने शहर थाना में शिकायत दी हुई है लेकिन पुलिस ने आज तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं की। धरने को संबोधित करते हुए अधिवक्ता रजत कलसन ने कहा कि भाटला सामाजिक बहिष्कार प्रकरण में की अपडेट अपने सोशल मीडिया और फेसबुक पर डालनी शुरू की तो पुलिस ने फेसबुक को कानून नोटिस भेज कर उनका फेसबुक अकाउंट बंद करवा दिया जो कि अभिव्यक्ति प्रकट करने के संवैधानिक अधिकारों पर प्रतिबंध व सेंसरशिप है। इस अवसर पर जय भीम आर्मी के अंतरराष्ट्रीय चेयरमैन संजय चौहान व हरियाणा के प्रमुख दलित कार्यकर्ता भूषण नूनिया ने भी संबोधित किया। इस दौरान अधिवक्ता प्रवेश महिपाल अधिवक्ता दीपक सैनी, अधिवक्ता राहुल चावला, अधिवक्ता नरेश गुणपाल, प्रधान संजय उर्फ हैरी ढुल, लोहारू से जगदीश फरटिया, दादरी से रविप्रकाश, धर्मेंद्र रंगा, फतेहाबाद से बजरंग खिचड़, परमहंस चोपड़ा, सूरज भाटोल, रविंद्र रंगा, मा. सुनील कलसन, सुशील रशीला, कृष्ण सैनीपुरा, अधिवक्ता मलकित सिंह, डॉ. अभेराम आल्याण, सुनील प्रधान डॉ. अम्बेडकर समिति बधावड़, चांदीराम बधावड़, सतीश प्रधान सिंघवा खास, उदयभान खोखा, बजरंग खिचड़, सुनील डाटा, जगदीश फरटिया, विनोद विघानिया, भूषण नुनिया, सुनील बोबुआ, संजय, भीम राव, राजेश, मीर, राजेंदर, रितु, सुमन, चंद्रमुखी, रोशनी, पूजा, जर्मिला, सुनीता, बिमला भी मौजूद रहे।

रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल से चरमराई चिकित्सकीय व्यवस्था

जोधपुर (हिंस)। डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के फार्माकोलॉजी विभाग के रेजिडेंट डॉ. राकेश विश्नोई के आत्महत्या मामले को लेकर रेजिडेंट डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज से जुड़े अस्पतालों में ओपीडी व वार्डों का काम छोड़ दिया है। हालांकि इमरजेंसी आईसीयू, सीसीयू और लेबर रूम जैसी इकाइयों का अभी संचालन कर रहे हैं। इससे पहले दो दिन तक मंगलवार और गुरुवार को एसएन मेडिकल कॉलेज के सभी रेजिडेंट डॉक्टर ने दो घंटे की सुबह 8 से 10 बजे तक पेनडाउन हड़ताल रखी थी। रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. हीरालाल यादव व सचिव डॉ. रणजीत चौधरी ने बताया कि हम चाहते हैं कि विभागाध्यक्ष को जिम्मेदारी से हटाया जाए या वो खुद पदत्याग दें। जांच के दौरान जिम्मेदार पद पर रहेंगे तो सही जांच नहीं होगी। कार्रवाई नहीं हुई तो सभी 590 रेजिडेंट काम से पूरी तरह दूरी बना लेंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में चिकित्सक की कोई वैल्यू नहीं है। एक का शव सात दिन से जयपुर में रखा है। दूसरे की करंट से मौत हो गई। अजमेर में डॉक्टर्स पर हॉस्टल में खिड़कियां गिर रही हैं। उन्होंने कॉलेज प्रशासन को चेताया कि यदि फार्माकोलॉजी विभागाध्यक्ष पर कार्रवाई नहीं हुई तो सभी सेवाएं ठप करनी पड़ेगी। रेजिडेंट्स ने कहा कि हम जनता को परेशान नहीं होने देंगे। अस्पताल में टेंट लगाकर मरीज देखेंगे। रेजिडेंट डॉक्टर के ओपीडी और वार्ड में काम नहीं करने से सेवाएं प्रवाहित होने लगी है। मरीज परेशान हो रहे हैं। हालांकि मेडिकल कॉलेज में सीनियर डॉक्टर को लगाया है, लेकिन बिना रेजिडेंट डॉक्टर के उनके लिए काम करना आसान नहीं है। इसके चलते आने वाले समय में समाधान नहीं निकला तो चिकित्सकीय सेवाएं पूरी तरह प्रभावित हो जाएगी। मथुरादास माथुर अस्पताल के डिप्टी सुपरिटेंडेंट डॉक्टर गणपत चौधरी ने कहा- रेजिडेंट की हड़ताल के बावजूद अस्पताल में व्यवस्थाएं सुचारू रूप से चल रही है। सभी सीनियर डॉक्टर कार्य में जुटे हुए हैं। सीनियर डॉक्टरों ने व्यवस्थाओं को संभाल लिया है। किसी तरह की कोई खास परेशानी का सामना मरीजों को नहीं करना पड़ रहा। संबंधित व्यक्ति को तत्काल पद से हटाया जाए जिससे जांच प्रक्रिया निष्पक्ष रह सके। एक स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच समिति गठित की जाए, जिसमे पीड़ित पक्ष एवं उनके परिजनों की बात को गंभीरता से सुना जाए। कॉलेज प्रशासन द्वारा एक आंतरिक जांच समिति गठित की जाए जिसकी प्रतिदिन प्रगति रिपोर्ट साझा की जाए। रेजिडेंट डॉक्टर के मानसिक स्वास्थ्य, कार्य-सुरक्षा एवं कार्य वातावरण में सुधार को प्राथमिकता दी जाए। उदयपुर में हुई डॉ. रवि शर्मा की असामयिक मृत्यु के संबंध में आरडीए की सभी मांगे पूरी की जाए।

ईडी ने सतिंदर भसीन की 27 करोड़ की आवासीय संपत्ति कुर्क की

लखनऊ (हिंस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) लखनऊ की टीम ने शुक्रवार को भसीन इन्फोटेक एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के मामले में पीएमएलए, 2002 के तहत सतिंदर सिंह भसीन की 27.01 करोड़ रुपए की आवासीय संपत्ति को अनंतिम रूप से कुर्क किया है। ईडी कार्यालय के अनुसार सतिंदर सिंह भसीन की संपत्ति का वर्तमान बाजार मूल्य 44 करोड़ रुपए के करीब आंका गया है। इस संपत्ति को रियल एस्टेट परियोजनाओं में निवेश के नाम पर जनता को धोखा देने से संबंधित एक मामले में अपराध की आय के बराबर मूल्य के रूप में कुर्क किया गया है। वहीं एक दूसरे मामले में ईडी लखनऊ ने शाइन सिटी समूह व अन्य के पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत इलाहाबाद निवासी मोहम्मद जावेद की 55.07 लाख रुपए मूल्य के बैंक बैलेंस के रूप में संपत्तियों को अनंतिम रूप से कुर्क किया है। यह संपत्ति रियल एस्टेट क्षेत्र और अन्य आकर्षक योजनाओं में निवेश की आड़ में पोंजी-पिरामिड योजना के माध्यम से जनता से धोखाधड़ी से धन एकत्र करने से संबंधित है।

अभिनेता आमिर खान की फिल्म *सितारे जमीन पर* का विरोध, फूंका पुतला

बोले सामाजिक कार्यकर्ता-आमिर खान अपने बयानों में भारत विरोधी रुख अपनाते हैं

वाराणसी (हिंस)। सामाजिक संस्था *प्रणाम वन्दे मातरम् समिति* के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को अभिनेता आमिर खान और उनकी नई फिल्म *सितारे जमीन पर* का जमकर विरोध किया। नई सड़क स्थित गीता मंदिर के समीप जुटे कार्यकर्ताओं ने अभिनेता और फिल्म का प्रतीक रूप से पुतला फूंक आक्रोश जताया और अभिनेता के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। संस्था के अध्यक्ष अनूप जायसवाल ने कहा कि आमिर खान बार-बार अपने बयानों और सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से तुर्की और पाकिस्तान जैसे भारत विरोधी देशों के समर्थन में नजर आते हैं, लेकिन जब उनकी फिल्म रिलीज होती है, तब उन्हें देशभक्ति की याद आती है। ऐसे लोगों की मंशा पर सवाल खड़ा होता है कि क्या यह राष्ट्र के नाम पर भावनात्मक खेल नहीं है? अनूप ने कहा कि अभिनेता आमिर खान ने पूर्व में यह भी बयान दिया था कि उन्हें भारत में डर लगता है, जबकि 26/11 जैसे हमलों के दौरान भी उन्होंने ऐसा कुछ नहीं कहा था। ऐसे वक्तव्य केवल देश की छवि को धूमिल करते हैं। और कहीं ना कहीं उनकी कमाई भारत विरोधी तत्वों के हित में जाती है। विरोध

प्रदर्शन में शामिल सोमनाथ विश्वकर्मा व दीपक आर्य ने देशवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे आमिर खान की इस फिल्म का बहिष्कार करें और ऐसे कलाकारों को सबक सिखाएं जो देश की आस्था और भावनाओं के साथ खिलवाड़ करते हैं। बताते चले आमिर खान की फिल्म *सितारे जमीन पर* आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। विरोध प्रदर्शन में ओमप्रकाश यादव *बाबू*, धीरेंद्र कुमार शर्मा, कन्हैया लाल सेठ, आदित्य गोयनका, शंकर जायसवाल, मंगलेश जायसवाल, अजित जायसवाल, सुजीत गुप्ता, गोपाल गुप्ता, मनीष चौरसिया, अखिल वर्मा, अमित आदि शामिल रहे।

चिटफंड कंपनी देशराज निधि 50 लाख से अधिक का रकम लेकर हुई फरार

अररिया (हिंस)। फारबिसगंज के कोठीहाट चौक पर देशराज निधि लिमिटेड के नाम से संचालित चिटफंड कंपनी दो सौ से अधिक खाताधारियों के 50 लाख से अधिक की राशि लेकर फरार हो गया। एजेंट और खाताधारियों द्वारा भुगतान करने के दवाब के बाद कोठीहाट चौक स्थित कार्यालय को बंद कर प्रबंधक समेत अन्य कर्मचारी फरार हो गए हैं। जिसको लेकर शुक्रवार को देशराज निधि के एजेंट और खाताधारियों ने विधायक विद्यासागर केशरी उर्फ मंचन केशरी के पास पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई। देशराज निधि लिमिटेड के प्रबंधक के रूप में सुल्तान पोखर निवासी राधानंद सिंह के पुत्र मनीष सिंह थे, वे भी फरार हो चुके हैं। विधायक के पास पहुंचे निधि देशराज के एजेंट पंकज कुमार पासवान ने बताया कि उनके द्वारा वसूले गए खाताधारियों के 29 लाख रुपए का भुगतान होना है। वहीं एजेंट अशोक कुमार दास ने 19 लाख और सूरज कुमार तांती ने करीबन 25 लाख रुपए का भुगतना खाताधारियों के बकाया होने की जानकारी विधायक को दी। यह बकाया पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 का बकाया है। इनलोगों ने बताया कि देशराज निधि लिमिटेड करीबन दस वर्षों से कोठीहाट चौक पर अपना कार्यालय चला रहा था। पहले इसके द्वारा कारोबार करने के लिए व्यवसायिक ऋण कारोबारियों और व्यवसायियों को दिया जाता था। लेकिन बाद में बचत खाता खोलकर एजेंट के माध्यम से पैसा वसूली करवाकर खाता में जमा करवाने लगा। संस्था द्वारा एक वर्ष पूरा होने पर पांच फीसदी ब्याज के साथ रकम वापसी सहित मुफ्त ऋण देने की बात कही गई थी। तीनों एजेंट ने बताया की करीबन दो सौ खाताधारियों का पैसा इनलोगों के द्वारा जमा कराया गया है। देशराज निधि का संचालन मनीष सिंह पिता राधानंद सिंह के द्वारा किए जाने और बार बार भुगतान का आश्वासन दिए जाने की बात कही। फारबिसगंज के विभिन्न इलाकों से पहुंचे खाताधारी गीता देवी, रीता मिश्रा, चुन्नी देवी, प्रमोद रजक, पूनम देवी, सौरभ कुमार दास, सुरेश मंडल, जुबेर आलम, विवेक सोनी, नितेश केशरी, मो. शहजादा, किशोर ठाकुर, प्रभाष केशरी आदि ने जमा हजारों लाखों रुपए की भुगतान नहीं करने की बात करते हुए भुगतान के लिए विधायक से पहल करने की मांग की। समस्या सुनने के बाद स्थानीय विधायक विद्यासागर केशरी उर्फ मंचन केशरी ने अधिकारियों से बातचीत की और चिटफंड कंपनी द्वारा ठगी मामले में कार्रवाई करने के साथ गरीब भोले भाले खाताधारियों के जमा राशि का भुगतान करवाने के लिए सकारात्मक पहल करने को कहा। विधायक ने मामले अपनी ओर से सकारात्मक पहल करते हुए जल्द भुगतान करवाने की दिशा में सकारात्मक प्रयास करने का खाताधारियों और एजेंट को भरोसा दिलाया।

एयर इंडिया की 8 उड़ानें रद्द, अमृतसर-लंदन समेत तीन रूट पर परिचालन निलंबित

नई दिल्ली

टाटा समूह की अगुवाई वाली एयर इंडिया ने शुक्रवार को एक बार फिर 8 फ्लाइट को कैंसिल किया है। एयरलाइंस ने एक साथ 8 अंतरराष्ट्रीय और घरेलू उड़ानों को कैंसिल किया है, जिसमें चेन्नई से दुबई, दिल्ली से मेलबर्न, हैदराबाद से मुंबई और अहमदाबाद से दिल्ली की उड़ानें शामिल हैं। विमानन कंपनी ने अपने अंतरराष्ट्रीय उड़ान संचालन में बड़े बदलाव का ऐलान किया है। एयर इंडिया ने कहा कि ये सभी फ्लाइट्स रखरखाव और परिचालन कारणों से रद्द की गई हैं। अहमदाबाद में 12 जून को हुए विमान हादसे के बाद से मुश्किलों का सामना कर रही विमानन कंपनी ने बताया कि 21 जून से 15 जुलाई के बीच वह हर हफ्ते 38 अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कटौती करेगी, जबकि एयरलाइन ने तीन अंतरराष्ट्रीय रूट्स पर सेवाएं अस्थायी रूप से रोक लगा दी है।

एयर इंडिया 21 जून से 15 जुलाई के बीच हर हफ्ते 38 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें कम करेगी

18 अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर उड़ानों में यह कटौती शेड्यूल में स्थिरता बहाल करने और यात्रियों को अंतिम समय में होने वाली असुविधा को कम करने के उद्देश्य से की जा रही है। एयलाइंस ने कहा कि डीजीसीए द्वारा आदेशित उड़ान-पूर्व सुरक्षा जांच के कारण उड़ानों में कटौती की गई है।

अब तक 33 बोइंग 787 विमानों में से 26 का निरीक्षण पूरा हो चुका है। एयर इंडिया अपने बोइंग 777 विमानों की भी जांच करेगी। विमानन कंपनी की ये विस्तृत घोषणा एक दिन पहले किए गए उस ऐलान के बाद आई है, जिसमें एयर इंडिया ने बड़े यात्री विमानों से संचालित उड़ानों में 15 फीसदी की अस्थायी कमी करने की बात कही थी। एयरलाइंस ने जारी एक बयान में स्पष्ट किया यह कटौती 21 जून से प्रभावी होगी और कम से कम 15 जुलाई 2025 तक जारी रहेगी। विमानन कंपनी ने कहा कि दिल्ली-नैरोबी, अमृतसर-लंदन (गैटविक) और गोवा (मोपा)-लंदन (गैटविक) पर 15 जुलाई तक सेवाएं निलंबित रहेंगी।

न्यूज ब्रीफ

एचडीएफसी सिक्युरिटीज ने सीमित जोखिम वाली ऑप्शन ट्रेडिंग रणनीति सुझाई

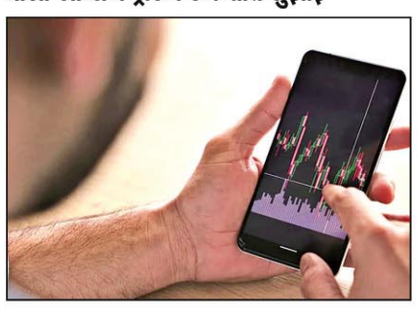

नई दिल्ली। मिडकैप निफ्टी इंडेक्स में पिछले दिनों आई में गिरावट और तकनीकी कमजोरी होने से एचडीएफसी सिक्युरिटीज ने एक सीमित जोखिम वाली ऑप्शन ट्रेडिंग रणनीति सुझाई है। कंपनी के एक डेरिवेटिव विश्लेषक ने बताया कि बीअर स्प्रीड नाम की इस रणनीति से निवेशक 26 जून की एक्सपायरी तक अच्छी कमाई कर सकते हैं। इस रणनीति में निवेशक को केवल 5,160 का खर्च करना होगा, जबकि अधिकतम लाभ 6,840 तक मिल सकता है। बीअर स्प्रीड रणनीति में दो अलग अलग पीयूटी ऑप्शन का उपयोग किया जाता है। इस रणनीति के तहत निवेशक को 12,700 के स्ट्राइक वाला पीयूटी ऑप्शन 143 में खरीदना होता है और साथ ही 12,600 के स्ट्राइक वाला पीयूटी ऑप्शन 100 में बेचना होता है। 6 दिन में कमा सकते हैं 33 फीसदी तक का रिटर्न दोनों ऑप्शन 26 जून को एक्सपायर होंगे। इस तरह दोनों के बीच का अंतर 43 होता है, जो प्रति यूनिट लागत है। चूंकि मिडकैप निफ्टी का एक लॉट 120 यूनिट का होता है, इसलिए कुल खर्च 5,160 बैठता है। यह रणनीति निवेशकों को 6,840 तक का अधिकतम मुनाफा दे सकती है, बशर्ते कि 26 जून को मिडकैप निफ्टी 12,600 या उससे बंद हो। तकनीकी विश्लेषण में यह भी सामने आया है कि मिडकैप निफ्टी ने 7 अप्रैल और 13 जून के निचले स्तरों को जोड़ने वाली ऊपर जाती ट्रेंडलाइन को नीचे की ओर तोड़ दिया है। यह ट्रेंडलाइन ब्रेकडाउन गिरावट का साफ संकेत है। इसके साथ ही इंडेक्स के 12,900 और 13,000 स्तरों पर भारी कॉल राइटिंग देखने को मिली है, जिससे पीयूटी कॉल रेशों 0.93 से घटकर 0.77 पर आ गया है।

सभी व्यवसाय बंद रखने से हमें अरबों डॉलर का नुकसान होता है: ट्रंप

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका में नॉन-हॉलिडे के आर्थिक प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सभी व्यवसायों को बंद रखने से हमें अरबों डॉलर का नुकसान होता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर लिखा, अमेरिका में बहुत सारी गैर-कामकाजी छुट्टियां हैं। इससे हमारे देश को अरबों डॉलर का नुकसान हो रहा है, क्योंकि इन छुट्टियों में सारी दुकानें और व्यवसाय बंद रहते हैं। ट्रंप ने अमेरिका में नॉन-हॉलिडे के आर्थिक प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए कहा कर्मचारी भी ऐसा नहीं चाहते हैं। जल्द ही हम साल के हर एक कार्य दिवस पर छुट्टी मनाने लगेंगे। अगर हम अमेरिका को फिर से महान बनाना चाहते हैं तो इसे बदलना होगा। हालांकि, अपने इस पोस्ट में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अवकाश का नाम स्पष्ट रूप से नहीं बताया, लेकिन यह पोस्ट 20 जून 2025 को जूनटीन्थ के दिन पोस्ट किया गया है, जो 19 जून 1865 की घटना की याद में मनाया जाता है। 19 जून 1865 के दिन टेक्सास के गैल्वेस्टन में सैनिकों ने आकर अंतिम अश्वेत दासों को मुक्त करने का आदेश दिया था, जिसे गुलामी के अंत की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, जूनटीन्थ के सम्मान में अधिकतर राष्ट्रीय बैंक, संघीय कार्यालय और संयुक्त राज्य डाक सेवा बंद रहे।

दूरसंचार कंपनियों का एजीआर बढ़कर 79,226 करोड़ हुआ

नई दिल्ली। दूरसंचार कंपनियों का मार्च 2025 को समाप्त तिमाही में समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) सालाना आधार पर 12.44 प्रतिशत बढ़कर 79,226 करोड़ रुपये हो गया। दूरसंचार नियामक ट्राई ने हाल ही में एक रिपोर्ट में यह कहा। रिलायंस जियो 29,464 करोड़ रुपये के एजीआर के साथ सूची में सबसे ऊपर है। यह वह राशि है जिससे सरकार लाइसेंस शुल्क और स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क के रूप में अपना हिस्सा एकत्र करती है। ट्राई की रिपोर्ट के मुताबिक, भारती समूह 26,324 करोड़ रुपये के एजीआर के साथ जियो के बाद दूसरे स्थान पर है। हालांकि, कंपनी ने आलोच्य तिमाही में इस खंड में 25.64 प्रतिशत की उच्चतम वृद्धि हासिल की। कर्ज में फंसी वोडाफोन आइडिया का एजीआर 3.84 प्रतिशत बढ़कर 7,653.53 करोड़ रुपये रहा। वहीं बीएसएनएल का समायोजित सकल राजस्व 12.45 प्रतिशत बढ़कर 2,239.54 करोड़ रुपये रहा मार्च तिमाही के दौरान टाटा टेलीसर्विसेज का एजीआर 2.31 प्रतिशत बढ़कर 677 करोड़ रुपये और एमटीएनएल का एजीआर 6.04 प्रतिशत घटकर 147 करोड़ रुपये रहा।

एचडीबी फाइनेंशियल के आईपीओ का प्राइस बैंड फिक्स, 25 को होगी लॉन्चिंग

नई दिल्ली

नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी (एनबीएफसी) एचडीबी फाइनेंशियल के आने वाले आईपीओ के लिए प्राइस बैंड का एलान कर दिया गया है। 25 जून को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाले कंपनी के 12,500 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 700 रुपये से लेकर 740 रुपये का प्राइस बैंड फिक्स किया गया है। आईपीओ के तहत निवेशक 20 शेयर के लॉट साइज में बोली लगा सकेंगे। ये आईपीओ 27 जून को बंद होगा।

कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार एचडीबी फाइनेंशियल का आईपीओ एंकर इन्वेस्टर्स के लिए 24 जून को खुलेगा। आईपीओ के तहत 30 जून को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा। इसके बाद अगले महीने 2 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग होगी।

इस आईपीओ के तहत 2,500 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 13,51,35,135 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बेचे जाएंगे। नए शेयरों के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने टियर-1 बेस कैपिटल को बढ़ाने में करेगी। वही ऑफर फॉर सेल के जरिए आने वाली 10,000 करोड़ रुपये की राशि अपने शेयर बेच रहे कंपनी के प्रमोटर एचडीएफसी बैंक को मिलेगी।

एचडीबी फाइनेंशियल के प्राइस बैंड से निवेशकों के बीच हलचल तेज हो गई है। दरअसल, अनलिस्टेड मार्केट (ग्रे मार्केट) में कंपनी के शेयर फिलहाल 1,250 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहे हैं। ऐसे में आईपीओ के लिए फिक्स किया गया प्राइस बैंड अनलिस्टेड मार्केट की तुलना में जबरदस्त डिस्काउंट वाला है। हालांकि इसके पहले भी अनलिस्टेड मार्केट के भाव की तुलना में डिस्काउंट रेट पर प्राइस बैंड फिक्स किए जाते रहे हैं। टाटा टेक्नोलॉजी, यूटीआई ऐसेट मैनेजमेंट, एजीएस ट्रांजैक्ट और पीबी फिनटेक के आईपीओ के लिए भी अनलिस्टेड मार्केट की तुलना में कम भाव पर प्राइस बैंड फिक्स किया गया था।

साल 2007 से फाइनेंशियल सर्विस के सेक्टर में काम कर रही एचडीबी फाइनेंशियल एक नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी है, जिसका मुख्य कारोबार रिटेल सेगमेंट में फैला हुआ है। इसके अलावा ये कंपनी बैंक ऑफिस सपोर्ट सर्विसेज, सेल्स रिपोर्ट सर्विसेज और इंश्योरेंस प्रोडक्ट्स के डिस्ट्रीब्यूशन का काम भी करती है। कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई जानकारी के अनुसार पूरे देश के 1,170 छोटे-बड़े शहरों में इसकी 1,771 शाखाएं हैं। इनमें 80 प्रतिशत से अधिक शाखाएं अधिक जनसंख्या वाले देश के प्रमुख 20 शहरों के बाहर हैं। मतलब कंपनी ने मध्यम और छोटे शहरों पर अधिक ध्यान केंद्रित किया है।

इजरायल का सरकारी खजाना खाली होने की कगार पर

जेरुसलम। मिडिल ईस्ट में जारी ईरान-इजरायल संघर्ष अब महज सैन्य टकराव नहीं रहा, बल्कि एक गंभीर आर्थिक जंग में बदल चुका है। इजरायल हर दिन करीब 63 अरब रुपए (725 मिलियन डॉलर) खर्च कर रहा है, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव बन गया है और सरकारी खजाना तेजी से खाली होता जा रहा है। यह खुलासा इजरायली सेना (आईडीएफ) के पूर्व वित्तीय सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल (रिजर्व) रीम अमीनाच ने किया है। उनके अनुसार, युद्ध शुरू होने के सिर्फ पहले दो दिन में ही इजरायल ने 1.45 अरब डॉलर खर्च कर दिए जिसमें हमला और रक्षा दोनों खर्च शामिल हैं। इजरायल ने ईरान पर जो पहला हमला किया, उसमें विमानों के उड़ने और हथियारों के इस्तेमाल का खर्च 593 मिलियन डॉलर था। बाकी पैसा मिसाइलों को रोकने वाले सिस्टम और रिजर्व सैनिकों को बुलाने में खर्च हुआ। अमीनाच ने यह भी कहा कि यह सिर्फ सीधा खर्च है। इनडायरेक्ट कॉस्ट, जैसे जीडीपी पर असर अभी नहीं मापा जा सकता। असली बिल तो तब पता चलेगा जब नागरिक संपत्ति को हुए नुकसान और काम में कमी जैसे खर्चों को जोड़ा जाएगा। युद्ध के चलते इजरायल की आर्थिक विकास की उम्मीदें कम हो गई हैं। वित्त मंत्रालय ने पहले ही इस साल के लिए जीडीपी का 4.9 फीसदी घाटा तय किया था।

खाद्य तेल की कमी और कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका

नई दिल्ली

आने वाले दिनों में खाने के तेल की कमी और कीमतें बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि कांडला पोर्ट पर जहाजों की भारी भीड़ और माल उतराई में हो रही देरी होने की वजह से यह स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) और कई व्यापारिक संगठनों ने सरकार को चेताया है कि यदि पोर्ट की स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो देशभर में सप्लाई चेन बाधित हो सकती है और तेल महंगा हो सकता है।

एसईए के अनुसार, नवंबर 2024 से मई 2025 के बीच भारत का खाद्य तेल आयात 9 फीसदी गिरकर 78.8 लाख टन रहा, जबकि पिछले वर्ष

कांडला पोर्ट पर जहाजों की भारी भीड़ और माल उतराई में हो रही देरी

इसी अवधि में यह 86.7 लाख टन था। भारत हर महीने लगभग 7.5 लाख टन पाम ऑयल आयात करता है और यह दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य तेल आयातक है। कांडला पोर्ट पर फिलहाल 157,000 टन तेल लादे 8 जहाज बर्थिंग का इंतजार कर रहे हैं। सिर्फ 2 जहाजों से 45,000 टन तेल की अनलोडिंग हो रही है। अगले कुछ दिनों में 159,000 टन तेल के साथ 5 और जहाज पहुंचने वाले हैं। पोर्ट अधिकारियों के अनुसार फिलहाल 6 खाद्य तेल और 6 रसायन वाले जहाज एंकर पर हैं। शुल्क कटौती बनी आयात बढ़ने की वजह से कांडला पोर्ट अथॉरिटी के एक प्रमुख अधिकारी के अनुसार मई में आयात शुल्क में कटौती के बाद खाद्य तेल की आवक में अचानक तेज़ी आई है। उन्होंने कहा कि औसतन 8-10 दिन की प्रतीक्षा हो रही है लेकिन संचालन प्रक्रियाओं को सख्त किया गया है और समाधान की कोशिशें जारी हैं।

वोल्वो कार्स ने टाटा टेक्नोलॉजीज को बनाया रणनीतिक साझेदार

स्वीडिश ऑटोमोबाइल कंपनी वोल्वो कार्स ने भारतीय कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज को रणनीतिक सप्लायर बना लिया है। यह साझेदारी टाटा टेक्नोलॉजीज के लिए एक बड़ा मील का पत्थर है। इस गठजोड़ के तहत दोनों कंपनियां मिलकर एक स्मार्ट, सुरक्षित और सस्टेनेबल ऑटोमोटिव भविष्य की दिशा में काम करेंगी, खासकर इलेक्ट्रिक व्हीकल्स और सॉफ्टवेयर-डिफाइंड व्हीकल (एसडीवी) के क्षेत्र में। इस रणनीतिक साझेदारी के तहत टाटा टेक्नोलॉजीज, वोल्वो कार्स को प्रोडक्ट इंजीनियरिंग, एम्बेडेड सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस और प्रोडक्ट लाइफसायकल मैनेजमेंट (पीएलएम) सेवाओं में सहायता करेगी। यह सहयोग न केवल भारत से बल्कि रोमानिया, पोलैंड और स्वीडन के गोथेनबर्ग स्थित टाटा के ऑटोमोटिव सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से भी दिया जाएगा। दोनों मिलकर करेंगे ऑटोमोबाइल का डिजिटल भविष्य तय टाटा टेक्नोलॉजीज की यह भूमिका वोल्वो के इलेक्ट्रिफिकेशन और सॉफ्टवेयर-ड्रिवन मोबिलिटी प्लेटफॉर्म्स को विकसित करने में मदद करेगी। कंपनी की विशेषज्ञता वोल्वो की वैश्विक इंजीनियरिंग क्षमताओं को मजबूती देने का काम करेगी। वोल्वो कार्स लंबे समय से ऑटोमोबाइल सेफ्टी और पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रही है।

कोर्ट ने नीरव मोदी की करोड़ों की संपत्तियों को रिलीज करने की दी अनुमति

नई दिल्ली

मुंबई की एक विशेष अदालत ने भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी और उसकी बहन पूर्वी मोदी की पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जब्त की गई 66.33 करोड़ की संपत्तियों को रिलीज करने की अनुमति दे दी है। कोर्ट ने यह आदेश पीएनबी द्वारा दायर एक अर्जी पर दिया, जिसमें कहा गया था कि इन संपत्तियों को बेचकर या नीलामी के माध्यम से बैंक को हुए नुकसान की आंशिक भरपाई की जा सके।

विशेष न्यायाधीश एवी गुजराती ने 17 जून को यह आदेश पारित किया। उन्होंने

कोर्ट ने यह आदेश पीएनबी द्वारा दायर एक अर्जी पर दिया

यह भी निर्देश दिया कि पीएनबी को यह अंडरटेकिंग देनी होगी कि अगर भविष्य में जरूरत पड़ी, तो इन संपत्तियों की बिक्री से प्राप्त राशि को फिर से वसूला जा सकेगा। रिलीज की गई संपत्तियों में नीरव मोदी के मुंबई के वर्ली इलाके स्थित समुद्र महल आवास से बरामद ज्वेलरी, सिक्के, घड़ियां और नकदी शामिल हैं, जिनकी कुल कीमत करीब 40.83 करोड़ है।

इसके अलावा, पूर्वी मोदी के नाम पर 19.50 करोड़ का एक फ्लैट और अन्य चल संपत्तियां भी इसी पते से जब्त की गई थीं। प्रवर्तन निदेशालय ने कोर्ट को बताया है कि उसे जब्त संपत्तियों को वापस देने पर कोई आपत्ति नहीं है, बशर्ते कुछ शर्तें पूरी की जाएं। इसके बाद कोर्ट ने पंजाब नेशनल बैंक की अर्जी को मंजूरी देते हुए नीरव मोदी की संपत्तियां उसे लौटाने का आदेश दे दिया। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि नीरव मोदी अब भी भगोड़ा है और भारत लौटने को तैयार नहीं है। नीरव मोदी और उनके मामा मेहुल चोकसी 13,500 करोड़ के पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के मुख्य आरोपी हैं। मेहुल चोकसी इस समय बेल्जियम में कानूनी प्रक्रिया का सामना कर रहे हैं, जबकि नीरव मोदी 2019 से ब्रिटेन की जेल में बंद हैं।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशियाई बाजार में तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार करके बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स में तेजी का रुख बना हुआ है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजारों में आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है।

ईरान-इजराइल जंग में अमेरिका की भूमिका को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान निवेशक सतर्क मुद्रा में कारोबार करते हुए दिखे, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक सीमित दायरे में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.03 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ 5,980.87 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत नैस्डेक ने 0.13 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 19,546.27 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 228.37 अंक यानी 0.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ 42,400.03 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.59 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,791.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 102.67 अंक यानी 1.36 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,553.45 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 260.43 अंक यानी 1.13 प्रतिशत टूट कर 23,057.38 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर खरीदारी होती हुई नजर आ रही है। एशिया के 9 बाजार में से 7 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 1.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,889.56 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 162.26 अंक यानी 0.74 प्रतिशत टूट कर 21,841.24 अंक के स्तर तक गिर गया है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.34 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,871.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,899.10 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 1.16 प्रतिशत उछल कर 3,012.38 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 229.27 अंक यानी 0.99 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,467.01 अंक के स्तर तक आ गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.69 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,076.10 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,364.83 अंक के स्तर पर और निक्केई इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक बढ़त के साथ 38,495 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

त्रिनबागो नाइट राइडर्स के नए हेड कोच बने ड्वेन ब्रावो

नई दिल्ली

कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2025 के लिए त्रिनबागो नाइट राइडर्स (टीकेआर) ने वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो को अपना नया हेड कोच नियुक्त किया है। वह फिल सिमंस की जगह लेंगे, जो इस समय बांग्लादेश की पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच हैं।

ब्रावो ने इस जिम्मेदारी को लेकर सोशल मीडिया पर लिखा, टीकेआर जैसी टीम का हेड कोच बनने का मौका मिलना मेरे लिए एक सम्मान की बात है।

यह टीम मेरे दिल के बहुत करीब है। मैं कोच फिल सिमंस को उनके योगदान के लिए धन्यवाद देता हूं और अब इस नई चुनौती को लेकर मैं और मेरी टीम पूरी तरह तैयार हैं।

ड्वेन ब्रावो ने 2013 से 2024 के बीच सीपीएल में 107 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 129 विकेट चटकाए और उनका इकॉनमी रेट 8.74 रहा। वह टीकेआर के लिए 11 में से 9 सीजन में खेले और टीम को पांच बार खिताबी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। 2021 में उन्होंने सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स की कप्तानी करते हुए टीम को चैंपियन बनाया था।

ब्रावो का कोचिंग सफर हाल के वर्षों में काफी तेजी से बढ़ा है। 2024 में वह आईएलटी20 में अबू धाबी नाइट राइडर्स के हेड कोच बने, जो कि नाइट राइडर्स ग्रुप की ही टीम है।

आईपीएल 2025 में उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए मेंटर की भूमिका निभाई थी, जबकि 2023 और 2024 में वह चेन्नई सुपर किंग्स के लिए बॉलिंग कंसल्टेंट भी रहे।

2024 टी20 वर्ल्ड कप में ब्रावो अफगानिस्तान टीम के गेंदबाजी सलाहकार थे, जिसने सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था, जहां टीम को दक्षिण अफ्रीका से हार का सामना करना पड़ा।

इस साल सीपीएल का 13वां संस्करण 14 अगस्त से 21 सितंबर के बीच खेला जाएगा। पिछली बार टीकेआर अंक तालिका में तीसरे स्थान पर रही थी, लेकिन एलिमिनेटर मुकाबले में बारबाडोस रॉयल्स से हारकर बाहर हो गई थी।

न्यूज ब्रीफ

स्पेन के राजा ने राफेल नडाल को मार्क्विस की उपाधि दी

मैड्रिड। टेनिस के महान खिलाड़ी राफेल नडाल को स्पेन के राजा फेलिपे ने गुरुवार को 'मार्क्विस' की उपाधि से सम्मानित किया है। यह सम्मान उन्हें खेल के क्षेत्र में उनके अद्वितीय योगदान और देश के लिए गौरव बढ़ाने के लिए दिया गया है। राजमहल की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया, वे (सम्मानित व्यक्ति) स्पेन के लिए गर्व का कारण हैं और उन मूल्यों के प्रतीक हैं जो समाज को प्रेरणा दे सकते हैं। 22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता नडाल ने पिछले वर्ष पेशेवर टेनिस से संन्यास लिया था। उन्हें यह उपाधि राजा फेलिपे के शासनकाल की 10वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में दी गई, जिसमें छह विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। अन्य जिन हस्तियों को उपाधियां दी गईं, उनमें प्रसिद्ध पॉप-रॉक गायिका लूज़ कासाल और पैरालंपिक तैराक टेरेसा पेरालेस शामिल हैं। नडाल को अब उनके गृह द्वीप 'मायोर्का' के नाम पर मार्क्विस ऑफ ल्लेवान्त डी मायोर्का की उपाधि प्राप्त हुई है। यह एक वंशानुगत उपाधि होगी, जिसे उनके वंशज आगे प्राप्त कर सकेंगे। 39 वर्षीय नडाल ने फ्रेंच ओपन को रिकॉर्ड 14 बार जीतकर इतिहास रचा है। उन्हें पिछले महीने रोलां गैरो में सेंट्रल कोर्ट पर एक स्थायी 'फुटप्रिंट' के साथ सम्मानित किया गया था। यह उपाधि स्पेन में नडाल की असाधारण विरासत और खेल में उनकी उपलब्धियों को हमेशा के लिए स्मरणीय बनाएगी।

मैं कप्तान होता तो ऋषभ से परिपक्वता से बल्लेबाजी करने कहता : सचिन

मुम्बई। भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत का प्रदर्शन इससे पहले के ऑस्ट्रेलिया दौरे में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में अब ऋषभ को इंग्लैंड के खिलाफ हो रही पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की सीख याद करनी चाहिये। सचिन ने ऑस्ट्रेलिया में ऋषभ के लापरवाही से खेले गये शॉट को लेकर कहा था कि अगर वह कप्तान होते तो उनसे परिपक्वता के साथ बल्लेबाजी करने को कहते क्योंकि वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के दौरान कभी-कभी अपना विकेट भी फेंक देते हैं, जो प्रशंसकों के साथ ही दिग्गज क्रिकेटरों को भी पसंद नहीं है। वहीं विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास लेने के कारण अब उनकी जिम्मेदारी बढ़ गयी है। ऐसें में उन्हें जिम्मेदारी से बल्लेबाजी करनी चाहिये। वह कई बार लापरवाही से शॉट लगाकर आउट हुए हैं। अब उपकप्तान के तौर पर भी उन्हें हालात के अनुसार खेलना होगा। सचिन ने हालांकि कहा कि वह उन्हें अपनी स्वाभाविक शैली को छोड़ने को को नहीं कहेंगे, बस दबाव वाली स्थितियों में ज्यादा संयम बरतने को कहेंगे। तेंदुलकर ने कहा, 'उसे ज्यादातर समय अपने स्वाभाविक खेल पर चलना चाहिए पर कभी-कभी हालात ऐसे होंगे जब उन्हें टीम के हित में अपने खेल में संयम दिखाना होगा।

टीएनपीएल : सूर्या आनंद ने पांच गेंदों पर चार विकेट लेकर मदुरै पैंथर्स को दिलायी जीत

चेन्नई। सूर्या आनंद की शानदार गेंदबाजी से तमिलनाडु पीमियर लीग क्रिकेट (टीएनपीएल) 2025 में सिचम मदुरै पैंथर्स ने नेल्लई रॉयल किंग्स को 10 रनों से हरा दिया। इस मैच में एक समय रॉयल किंग्स की जीत तय नजर आ रही थी क्योंकि उसे 12 गेंदों में जीत के लिए11 रन चाहिए थे और उसे 4 विकेट शेष थे पर सूर्या के ओवर में मैच पलट गया और मदुरै ने सभी को हैरान करते हुए जीत दर्ज की। सूर्या ने इस ओवर में पांच गेंदों पर बचे हुए चार विकेट ले लिए। इस प्रकरा नेल्लई रॉयल किंग्स जीत के करीब पहुंचकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी जबकि उसे 12 गेंदों में सिर्फ 11 रन चाहिए थे पर वह हार गयी। यह रिकार्ड टीएनपीएल के इतिहास में दर्ज हुआ है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मदुरै पैंथर्स ने 168 रन बनाए। बलचंदर अनिरुद्ध और अतीक उर रहमान ने 48 और 36 रन बनाए। दूसरी ओर नेल्लई रॉयल किंग्स के कप्तान अरुण कार्तिक ने 67 रन बनाए पर उनकी टीम हार गई। वहीं सूर्या आनंद ने शानदार गेंदबाजी कर अपनी टीम को जीत दिलाई। सूर्या को इस मैच में अपनी जबरदस्त गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। वह पैंथर्स के नए हीरो हैं।

फीफा क्लब वर्ल्ड कप

मेसी के फ्री-किक गोल से इंटर मियामी ने पोर्टो को 2-1 से हराया

नई दिल्ली

फीफा क्लब वर्ल्ड कप में गुरुवार को खेले गए मुकाबले में लियोनेल मेसी की ट्रेड मार्क फ्री-किक की बदौलत इंटर मियामी ने पुर्तगाली क्लब पोर्टो के खिलाफ 2-1 से रोमांचक जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही एमएलएस क्लब इंटर मियामी ने ग्रुप-ए से अगले दौर में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को मजबूत कर लिया है। पहले हाफ में सैमू आगहेहोवा के पेनल्टी गोल से पोर्टो को शुरुआती बढ़त मिली, लेकिन दूसरे हाफ में इंटर मियामी ने जोरदार वापसी की। पहले टेलास्को सेगोविया ने बराबरी का गोल दागा और फिर 54वें मिनट में मेसी ने एक शानदार फ्री-किक के जरिए अपनी टीम को जीत दिलाई।

पहले हाफ में पोर्टो का दबदबा

मैच की शुरुआत में पोर्टो ने आक्रामक खेल दिखाया और 8वें मिनट में उन्हें पेनल्टी मिली, जिसे वीएआर समीक्षा के बाद मंजूरी दी गई। इंटर मियामी के डिफेंडर नोआ एलेन द्वारा जोआओ मारियो को बॉक्स में हल्का सा टच करने पर रेफरी ने पेनल्टी दी।

स्पेनिश खिलाड़ी सैमू आगहेहोवा ने गोलकीपर ऑस्कर उस्तारी को छकाकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी, हालांकि उस्तारी ने गेंद को हाथ लगाया लेकिन रोक नहीं सके।

मेसी-सुआरेज़ की जोड़ी सक्रिय

लियोनेल मेसी ने शुरुआत से ही रचनात्मक भूमिका निभाई। उन्होंने अनुभवी स्ट्राइकर लुइस सुआरेज़ को एक शानदार गेंद थ्रू की, लेकिन सुआरेज़ ऑफसाइड थे और गोलकीपर क्लाउडियो रामोस ने भी अच्छा बचाव किया।

पहले हाफ के अंत तक पोर्टो का दबाव बना रहा। आगहेहोवा और वरेला ने गोल के कई मौके बनाए, लेकिन गोलपोस्ट और गोलकीपर उस्तारी की सतर्कता के चलते मियामी ने और गोल नहीं खाने दिए।

दूसरे हाफ में मियामी की वापसी

दूसरे हाफ की शुरुआत से ही इंटर मियामी ने आक्रामक खेल दिखाया। 47वें मिनट में मार्सेलो वाइगांट के क्रॉस पर टेलास्को सेगोविया ने शानदार फिनिशिंग करते हुए स्कोर 1-1 कर दिया।

इसके कुछ ही मिनटों बाद 54वें मिनट में मेसी को बॉक्स के बाहर फाउल किया गया। इसके बाद उन्होंने खुद फ्री-किक ली और अपने चिर-परिचित अंदाज़ में गेंद को टॉप राइट कॉर्नर में डालकर इंटर मियामी को 2-1 की बढ़त दिलाई।

अंतिम क्षणों तक मुकाबला रोमांचक

अंतिम मिनटों में पोर्टो ने बराबरी के लिए पूरी ताकत झोंक दी। 7 मिनट का इंजरी टाइम भी जोड़ा गया, लेकिन मियामी के डिफेंडरों ने शानदार प्रतिबद्धता दिखाते हुए कई प्रयास विफल किए।

मुख्य कोच जेवियर माश्चेरानो की टीम ने आखिरी मिनट तक डटकर डिफेंड किया और अंततः ऐतिहासिक जीत हासिल की।

रिकॉर्ड और दर्शकों की उपस्थिति

यह किसी एमएलएस क्लब की यूरोपीय प्रतिद्वंद्वी पर दूसरी भिड़ंत में पहली प्रतिस्पर्धी जीत रही। इससे पहले इसी हफ्ते लॉस एंजेलिस एफसी को चेल्सी ने हराया था।

हालांकि, मुकाबले की शुरुआत में मर्सिडीज-बेंज स्टेडियम आधा खाली नजर आया, क्योंकि दोपहर 3 बजे कार्यदिवस के बीच मैच रखा गया था। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, करीब 32,000 दर्शक पहुंच गए और मेसी के शानदार प्रदर्शन का गवाह बने।

ग्रुप ए की स्थिति

इस जीत के बाद इंटर मियामी और ब्राज़ीलियाई क्लब पाल्मेइरास के चार-चार अंक हो गए हैं। वहीं अल-अहली और पोर्टो के एक-एक अंक हैं। अगले मुकाबले अब ग्रुप की किस्मत तय करेंगे।

मार्नस लाबुशेन वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट से बाहर, स्टीव स्मिथ भी चोट के चलते नहीं खेलेंगे

मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया को 25 जून से बारबाडोस में शुरू होने वाले पहले टेस्ट से पहले बड़ा झटका लगा है। स्टार बल्लेबाज़ मार्नस लाबुशेन को टीम से बाहर कर दिया गया है जबकि अनुभवी स्टीव स्मिथ चोट के कारण उपलब्ध नहीं रहेंगे। उनकी जगह सैम कॉन्सटास और जोश इंगलिस को टीम में शामिल किया गया है।

यह दोनों बदलाव पहले टेस्ट से पांच दिन पहले ही घोषित किए गए, जिससे यह स्पष्ट है कि ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाज़ी लाइन-अप में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के मुकाबले काफी बदलाव होगा।

सैम कॉन्सटास तीसरा टेस्ट खेलेंगे। उन्होंने भारत के खिलाफ डेब्यू पर एमसीजी में 60 रन की पारी खेली थी। वहीं जोश इंगलिस ने श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट में शतक लगाकर अपने टेस्ट करियर की शानदार शुरुआत की थी।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में लाबुशेन को सलामी बल्लेबाज़ के रूप में आजमाया गया था, लेकिन वे केवल 17 और 22 रन की पारियां ही खेल पाए। पिछले दो वर्षों से उनका टेस्ट फॉर्म लगातार गिरावट पर है।

चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बैली ने कहा, मार्नस जब अपने सर्वश्रेष्ठ पर होते हैं तो टीम के लिए बेहद अहम होते हैं। वह भी समझते हैं कि उनका प्रदर्शन उस स्तर पर नहीं है जिसकी हम और वे खुद उनसे अपेक्षा करते हैं। हम उनके खेल के उन पहलुओं पर काम करना जारी रखेंगे जिन्हें सुधारने की जरूरत है।

स्टीव स्मिथ की चोट गंभीर नहीं लेकिन उन्हें आराम की जरूरत

स्मिथ को साउथ अफ्रीका के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान टेम्बा बावुमा का कैच छोड़ते समय उंगली में गंभीर चोट लगी थी। उनकी छोटी उंगली में कंपाउंड डिसलोकेशन हुआ है और फिलहाल उन्हें आठ हफ्ते के लिए स्प्लिंट पहनना होगा। हालांकि उम्मीद है कि वे वेस्टइंडीज दौरे के बाद के टेस्ट में वापसी कर सकते हैं।

टेस्ट की अंतिम एकादश और बल्लेबाज़ी क्रम की घोषणा मैच के करीब की जाएगी, लेकिन उम्मीद है कि कॉन्सटास, उस्मान ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। पिच की स्थिति के अनुसार ऑस्ट्रेलिया दो फ्रंटलाइन स्पिनर — मैट कुहनैमन और नाथन लायन — को भी आजमा सकता है।

एस्कोट में जॉकी व घोड़े

एस्कोट में जॉकी व घोड़े रॉयल एस्कोट रेसकोर्स में दौड़ते हुए।

ईरान-इजराइल तनाव के चलते महिला एशियन कप क्वालिफायर अब जॉर्डन के बजाय कतर में

नई दिल्ली

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण एएफसी महिला एशियन कप क्वालिफायर के ग्रुप ए के मुकाबले अब जॉर्डन के बजाय कतर में खेले जाएंगे।

एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने शुक्रवार को जानकारी दी कि जॉर्डन की राजधानी अम्मान में 23 जून से 5 जुलाई के बीच खेले जाने वाले मुकाबलों को अब कतर में 7 जुलाई से 19 जुलाई तक आयोजित किया जाएगा। मैच के आयोजन स्थल और समय की जानकारी जल्द दी जाएगी।यह फैसला ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते हवाई हमलों और क्षेत्र में अमेरिका के संभावित हस्तक्षेप की आशंका के मद्देनजर लिया गया है।

ग्रुप ए में जॉर्डन, सिंगापुर, ईरान, लेबनान और भूटान की टीमें शामिल हैं। ये टीमें महिला एशियन कप 2026 के लिए क्वालिफाई करने की होड़ में हैं, जो मार्च 2026 में ऑस्ट्रेलिया में आयोजित होगा। सिंगापुर फुटबॉल संघ (एफएएस) ने कहा कि टूर्नामेंट स्थानांतरित करने का निर्णय क्षेत्र में मौजूदा हालात और भाग लेने वाली टीमों की ओर से उठाई गई लॉजिस्टिक चिंताओं के कारण लिया गया है। महिला एशियन कप क्वालिफायर में कुल आठ ग्रुप हैं, जिनमें से हर ग्रुप का विजेता 2026 के मुख्य टूर्नामेंट में जगह बनाएगा। मेजबान ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया, जापान और मौजूदा चैंपियन चीन पहले ही टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं।

मिडलसेक्स ने डेन विलास को अंतरिम फर्स्ट टीम कोच नियुक्त किया

लंदन

काउंटी क्रिकेट क्लब मिडलसेक्स ने पूर्व दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर-बल्लेबाज डेन विलास को मौजूदा सीज़न के अंत तक अंतरिम फर्स्ट टीम कोच नियुक्त किया है। यह फैसला रिचर्ड जॉनसन के पद छोड़ने के दो दिन बाद लिया गया, जिन्होंने तीन साल से अधिक समय तक कोच की भूमिका निभाई।

40 वर्षीय विलास ने 2023 सीज़न के अंत में फर्स्ट-क्लास क्रिकेट से संन्यास लिया था। वह सात वर्षों तक लंकाशायर के लिए खेले और वहीं टीम की कप्तानी भी की। हालांकि, वह फ्रेंचाइज़ी लीग एसए 20 में खेलना जारी रखे हुए थे। अब वह लंदन में ही बसे हुए हैं और तुरंत प्रभाव से मिडलसेक्स की जिम्मेदारी संभालेंगे।

मिडलसेक्स की मौजूदा स्थिति संतोषजनक नहीं रही है। काउंटी चैम्पियनशिप के डिविजन दो में टीम तीसरे स्थान से नीचे है, और शुरुआती सात मैचों में केवल दो जीत दर्ज कर पाई है। टी20 ब्लास्ट में भी स्थिति कुछ ऐसी ही है, जहां टीम ने हाल ही में गुरुवार को केवल अपना दूसरा मुकाबला जीता, जिसके कुछ देर बाद विलास की नियुक्ति की घोषणा की गई।

मिडलसेक्स के क्रिकेट निदेशक एलन कोलमैन ने कहा,मैं डेन का क्लब में स्वागत करते हुए बेहद उत्साहित हूं। उनके पास बहुत अनुभव है, जो हमारे खिलाड़ियों के लिए बेहद फायदेमंद रहेगा। उन्होंने हाल ही में खेल को अलविदा कहा है, लेकिन लंकाशायर की कप्तानी के दौरान उनके नेतृत्व कौशल ने मुझे प्रभावित किया। उनका जुनून, प्रतिस्पर्धात्मकता और सभी प्रारूपों का अनुभव हमारे लिए महत्वपूर्ण रहेगा।

उन्होंने आगे कहा, डेन को कोचिंग टीम में रॉरी कौट्स, टिम मर्टग और इयान सैलिसबरी का सहयोग मिलेगा। मुझे पूरा विश्वास है कि यह टीम खिलाड़ियों के प्रदर्शन को निखारने में अहम भूमिका निभाएगी।

डेन विलास, जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका के लिए 6 टेस्ट और 1 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेला है, ने अपनी नियुक्ति पर कहा,यह मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। लॉर्ड्स जैसे ऐतिहासिक मैदान का हिस्सा बनना विशेष अनुभव है। मैं टीम के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। इस ग्रुप में काफी प्रतिभा है और मैं उसका अधिकतम उपयोग करना चाहता हूं।

उन्होंने आगे कहा, मेरे रॉरी कौट्स, टिम मर्टग और इयान सैलिसबरी के साथ अच्छे संबंध हैं, और हम सभी मिलकर टीम को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का प्रयास करेंगे।

ये हैं साथ, तो चिंता की क्या बात

चिंता और बैचेनी को दूर भगाने का इतना मीठा और मजेदार तरीका भी हो सकता है, यह शायद ही आपने सोचा होगा। वाकई खाने की कुछ चीजें ऐसी होती हैं जो कई बार दवा से भी ज्यादा असर दिखाती हैं, अगर आप एंजाइटी से परेशान हैं। वैसे भी ये सुपरफूड्स आपको दूसरे प्रोसेस्ड स्नेक्स से बेहतर हैं...

ब्लूबैरीज : इस लिस्ट में ब्लूबैरीज को आप टॉप पर रख सकते हैं क्योंकि यह एंजाइटी भागाने वाले विटामिन 'सी'' और एंटिऑक्सिडेंट्स से लबालब है। यह छोटी-छोटी बैरीज पॉवरफुल स्ट्रेस बस्टर्स हैं। आपके शरीर को विटामिन 'सी'' और एंटिऑक्सिडेंट्स की जरूरत सेल्स को रिपेयर और प्रोटेक्ट करने के लिए होती है। जब आप चिंताओं से लड़ रहे हों तब फ्रेश ब्लूबैरीज खाने से बेहतर कुछ नहीं है। अगर आप खाने-पीने के शौकीन नहीं हैं तो इसकी स्मूदिज तैयार कर पी सकते हैं।

नाशपाती : नाशपाती में दिल को स्वस्थ रखने के तमाम गुण मौजूद हैं। इसमें मौजूद फैटी एसिड्स आपके दिमाग को भी ठीक रूप से चलने में मदद देते हैं। यह पोटेशियम का भी खजाना है और आपके ब्लड प्रेशर पर भी यह काबू रखेगा। इसे सलाद, स्मूदिज में शामिल किया जा सकता है।

बादाम : क्या आप जानते हैं कि बादाम में क्या होता है! इसमें विटामिन बी2 और ई भी होता है। इससे आपका इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। ये विटामिन्स आपकी मदद तक करते हैं जब आप खुद को तनाव से घिरा और डल पाते हैं। अगर आप कैलोरीज का भी ध्यान रखने वालों में से हैं तो एक तिहाई कम से ज्यादा रोज न खाएं। काजू और अखरोट भी बेहतरीन विकल्प हैं।

डार्क चॉकलेट : डार्क चॉकलेट खाकर आप अपनी एंजाइटी चमत्कारिक रूप से कम कर सकते हैं। तीस ग्राम चॉकलेट रोज खाकर आप अपने एंजाइटी लेवल को कम कर सकते हैं और मौसम के कारण होने वाले डिप्रेशन को भी भगा सकते हैं। डार्क चॉकलेट के एक सामान्य आकार के टुकडे में 155 कैलोरीज, 5 ग्राम सेचुरेटेड फैट, 1.4 ग्राम प्रोटीन, 12 मिली ग्राम कैफीन और दो ग्राम डाइट्री फाइबर होता है। यह

ब्यूटी स्लीप ना लेने से कैसे पड़ सकता है

आपके चेहरे पर असर

आज कल की भाग दौड़ भरी जिंदगी ने हमारी नींद हराम कर रखी है। ऑफिस में देर तक काम करना और फिर लेट नाइट सोने से हमारी नींद ठीक प्रकार से पूरी नहीं हो पाती। नींद को पूरा ना करने से ना केवल हमारे शरीर पर बुरा असर पड़ता है बल्कि दिमागी रूप से भी असर पड़ता है। नींद के दौरान हमारी बॉडी और माइंड खुद को रिपेयर करते हैं और दूसरे दिन के लिये तैयार होते हैं।

अगर आप नींद पूरी नहीं करती तो इसका सीधा असर आपकी स्किन पर भी पड़ेगा, जिसे खुद मेकअप भी नहीं छुपा पाएगा। आइये जानते हैं कि जब आप अपनी ब्यूटी स्लीप नहीं लेती तो आपके चेहरे पर क्या असर पड़ता है। ब्यूटी स्लीप ना लेने से कैसे पड़ सकता है आपके चेहरे पर असर...

आपकी रंगत पर असर पड़ सकता है

अगर आपकी नींद पूरी नहीं होगी तो वह डल और थकी दिखने लगेगी। ऐसा इसलिये क्योंकि जब आप सोती हैं, तब शरीर हर तहर की गंदगी को बाहर निकालने का काम करता है, जिससे त्वचा ब्राइट और ग्लो हो जाती है।

शरीर के आवश्यक तरल पदार्थ के स्तर में असंतुलन होने लगता है

कम सोने से त्वचा की नमी में कमी आ जाती है, जिससे पीएच लेवल पर असर पड़ता है और त्वचा रूखी होनी शुरु हो जाती है। इससे चेहरे पर लालिमा और दाने दिखने लगते हैं।

सोने से पहले ना करें ये गलती

कई लोग रात में शराब पीते हैं, जिस दौरान हमारी बॉडी सबसे ज्यादा सेल बना रही होती है। शराब पीने से शरीर में पानी की कमी हो जाती है और त्वचा में पूरे दिन सूजन दिखाई पड़ती है।

सोने के तरीके पर भी ध्यान दें

किसी को अच्छा नहीं लगता कि उसकी आंखें सुबह के समय सूजी हुई दिखाई दें। वे लोग जो पेट के बल सोते हैं उन्हें यह समस्या ज्यादा होती है।

सोने की पोजिशन से जानिये इंसान का व्यक्तित्व

रात को देर से सोना और जल्दी उठन भी खराब रात को देर से सोने से और जल्दी उठ जाने से आंखों के नीचे डार्क सर्कल पड़ जाते हैं।

समय प्रबंधन का महत्व

-जोगिंदर सिंह

आपको इस नियम का ज्ञान होना चाहिए कि जब काम छोटा और समय ज्यादा हो, तो काम स्वयं को फैला लेता है। हमारे यहां एक घरेलू काम करने वाली थी वह इस नियम का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करती थी। वह उतने ही समय में एक काम या कभी-कभी तीन-चार काम एक साथ ही करती थी। मैंने उससे पूछा कि ऐसा वह क्यों करती है। उसका उत्तर था कि यह तरीका उसके समय बिताने का जरिया था, लेकिन सत्य यह है कि हर एक के जीवन में काफी काम होते हैं। यह तो हम पर निर्भर करता है कि उनको किस प्रकार करें। यह भी सच है कि आसान काम को हम शायद ज्यादा आसानी से करते हैं। तथ्य यह है कि यदि हम मजबूत और शक्तिशाली होना चाहते हैं, तो हमें दृढ़निश्चयी होना ही पड़ेगा-चाहे जो भी हम करें। हममें से हर एक की कुछ धनात्मक और ऋणात्मक प्रवृति होती ही है। कुछ लोग अपने काम में बड़े माहिर होते हैं, परंतु थोड़े याद-भूला भी होते हैं। वे नाम और तारीखों तथा अपने प्रिय व्यक्तियों की जन्म और विदाई की तिथियां प्रायः भूल जाते हैं।

इस संदर्भ में हमें ज्यादा समय और सहृदय होना चाहिए और यह नहीं सोचना चाहिए कि कोई भी ऐसी घटना जान बूझकर हमें नीचा दिखाने या तिरस्कार करने के लिए की गई है। आदर्श स्थिति तो यह है कि सभी का भला सोचा जाए। कभी-कभी कटु सत्यों को यथाशीघ्र भूल जाना ही श्रेयस्कर होता है। दरअसल, हम खुद ही अपने बर्ताव या प्रतिक्रिया के लिए जिम्मेवार होते हैं। इसलिए ऐसे संदर्भों में हमें अपनी सोच में बदलाव लाना चाहिए। हम इसलिए ऐसी स्थितियां भुगतते हैं, क्योंकि हम दूसरों के जाने या अनजाने में में किए गए बर्ताव के खुद ही शिकार बनना पसंद कर सकते हैं। यदि वाकई में कोई चीज बुरी लगती है, तो हमें अपना पक्ष स्पष्टद्द कर स्वयं को व्यक्त करने का पूरा हक है। एक बहुत श्रेष्ठ गुण है जीवन की विभिन्न स्थितियों में राई का पहाड़ बनाने की प्रवृति से परहेज करना।

न हमें हर चीज को अपने पूर्वाग्रह युक्त दृष्टि से देखना चाहिए और न ही सदैव-न्यायाधीश का चोला पहने रहना चाहिए। हमें स्वयं से भी पूछना चाहिए कि क्या हमने किया या नहीं किया, जिसके कारण यह घटना हुई या यह उक्ति सुनने को मिली। जीवन में घटने वाली हर घटना में हममें से हर एक की जिम्मेदारी होती है, जो नकारी नहीं जा सकती। हमें किसी भी घटना में अपनी भूमिका को संज्ञान में लेने से बचना नहीं चाहिए। जो भी हम करते या कहते हैं, उसके बारे में हमें पूरी तरह सचेत रहना चाहिए कि हमने क्या किया या कहा या क्या दूसरे के पास है और हमारे पास नहीं है, जिसके कारण यह घटना या कोई घटना घटी या काण्ड हुआ।

दूसरों पर दोषरोपन करने से कुछ हासिल नहीं होता यद्यपि ज्यादातर लोग ऐसा ही करते हैं यदि आप अपनी भूमिका के बारे में पूरी तरह सचेत होंगे, तब ही उसमें सुधार ला सकते हैं या किसी घटना के संदर्भ में अवांछित अक्षर अपने जीवन, परिवार या कार्य क्षेत्र में कम या ज्यादा कर उसका प्रभाव नगण्य कर सकते हैं। हमें जागरूक रहना चाहिए कि हम जो कुछ करते या कहते हैं, जीवन में उसका प्रभाव होता है। जीवन एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें हम अनुभव और जरूरी सबक प्राप्त करते हैं। इसके द्वारा न सिर्फ हम अपने अस्तित्व में बदलाव ला सकते हैं, वरन अपने चारों तरफ एक सकारात्मक वातावरण फैला सकते हैं। हमें जीवन को ऋणात्मक प्रवृत्तियों में बर्बाद नहीं करना चाहिए तथा व्यर्थ के दोषरोपन अपने पर तरस खाने और जीवन की असमानताओं की शिकायत करने में नहीं गवाना चाहिए। जब तक जीवन है उसे बेहतर बनाएं। **(लेखक सीबीआई के पूर्व निदेशक हैं)**

बच्चों में भूख बढ़ाने वाले योगासन

बच्चों में भूख को लेकर होने वाली समस्याएं बेहद आम हैं। शैक्षणिक दबाव के कारण उन्हें कई बार समय पर भोजन करने का समय नहीं मिल जाता है ऐसे में उनकी भूख भी मर जाती है और शरीर में हेल्दी पोषक तत्वों की कमी हो जाती है।

1. बटरफ्लाई पोज़ या बधाकोसन : यह भूख बढ़ाने वाला काफी अच्छा योगा है। इसे करने से कब्ज की समस्या दूर हो जाती है और पाचन क्रिया भी दुरूस्त हो जाती है।

2. शशांक आसन या खरगोश पोज़ः यह आसन तनाव दूर करने के लिए सबसे अच्छा होता है। इसे करने से पाचन क्रिया भी दुरूस्त रहती है और पेट में होने वाली आंतरिक समस्या भी दूर हो जाती

इसे निम्न प्रकार करें

सबसे पहले फर्श पर बैठ जाएं। अपनी पीठ को बिल्कुल सीधा रखें और अपने पैरों को घुटनों से मोड़ लें। पैरों के तलवों को इस प्रकार रखें कि वो एक दूसरे के आमने-सामने रहें। अब अपने हाथों से, पंजों को पकडें और पैरों को मूव कराएं। अपनी जांघों को ऊपर नीचे हिलाएं। ऊपर की ओर जितना उठा सकते हैं उतना उठाएं। इसे जितनी बार किया जाएं, उतना ही अच्छा है। इसे करने से शरीर में लचीलापन भी आता है।

है। इसे निम्न प्रकार करते हैंः शशांकासन को करने के लिए फर्श पर दरी या चटाई बिछाकर बैठ जाएं। दोनो पैरों को घुटनों से मोड़कर पीछे की ओर हिप्स के नीचे रखें और एड़ियों पर बैठ जाएं। अब सांस लेते हुए दोनों हाथों को ऊपर की ओर करें। इसके बाद सांस को बाहर छोड़ते हुए धीरे-धीरे आगे की ओर झुकते हुए सांस को बाहर निकालें और दोनो हाथों को आगे की ओर फैलाते हुए हथेलियों को फर्श पर टिकाएं। अपने सिर को भी फर्श पर टिकाकर रखें। आसन की इस स्थिति में आने के बाद कुछ समय तक सांस को बाहर छोड़कर और रोककर रखें। फिर सांस लेते हुए शरीर में लचक लाते हुए पहले पेट को, फिर सीने को, फिर सिर को उठाकर सिर व हाथों को सामने की तरफ करके रखें। कुछ समय तक इस स्थिति में रहे और फिर सीधे होकर कुछ समय तक आराम करें और पुनः इस क्रिया को करें।

3. चिन्मय मुद्रा : इस मुद्रा को करने से शरीर में ऊर्जा का संचार होता है, पाचन क्रिया दुरूस्त होती है और भूख लगना भी शुरू हो जाती है।

इ स के निम्न प्रकार किया जाता हैः अपनी आंखों को बंद करके आराम से सुखासन में बैठ जाएं। अपने हाथों को जांघों पर रखें और हथेली को नीचे करके रखें। अब एक हाथ को उठाएं और उसके अंगूठें को दबाकर बाकी की तीन उंगलियों को ऊपर की ओर ज्ञान मुद्रा में रखें। गहरी सांस लें और दो से तीन मिनट तक इसी मुद्रा में रहें। इस प्रक्रिया को पांच बार दोहराएं।

4. सूर्य नमस्कार से बच्चों को बहुत लाभ होता है। इसे बच्चों को सिखाएं और दिन में कम से कम पांच बार करने को कहें।

मच्छरों से बचने अपनाए ये घरेलू उपाय

बरसात का मौसम एक ओर जहां अपने साथ नई ताजगी लेकर आता है वहीं दूसरी ओर ढ़ेर सारी बीमारियां भी. ये मौसम मच्छरों के प्रजनन का होता है.

आप लाख दरवाजे और खिड़कियां बंद कर लीजिए लेकिन डेंगू, मलेरिया और जीका जैसी जानलेवा बीमारियों को फैलाने वाले ये मच्छर कहीं न कहीं से घर में घुस ही जाते हैं. इस मच्छरों को भगाने के लिए हम हर महीने सैकड़ों रुपए के कॉयल और लिक्विड वेपराइजर खरीदते हैं. लेकिन फायदा कुछ नहीं होता.

न तो मच्छर भागते हैं और न ही मरते हैं. वे कमरे में ही किसी कोने में छिप जाते हैं. उसके बाद जैसे ही कॉयल खत्म होता है, वे कोने से बाहर निकल आते हैं और अपने नुकीले एंटीना चुभाना शुरू कर देते हैं.

एक ओर जहां ये केमिकल बेस्ड प्रोडक्ट काफी महंगे होते हैं वहीं ये बहुत प्रभावी भी नहीं होते. साथ ही इनसे निकलने वाले धुंए का बुरा असर हमारी सेहत पर भी पड़ता है. लेकिन आप चाहें तो घरेलू और नेचुरल तरीके से भी मच्छरों से राहत पा सकते हैं.

जॉन्सन बेबी क्रीम

अगर आपको ये पढ़कर हंसी आ रही है तो आपको बता दें कि ये कोई मजाक नहीं है. जॉन्सन बेबी क्रीम लगाकर आप मच्छरों से राहत पा सकते हैं.

नीम और लैवेंडर का तेल

नीम का तेल तो मच्छरों से छुटकारा पाने का रामबाण उपाय है. विशेषज्ञों की मानें तो नीम का तेल किसी भी कॉयल और वेपराइजर की तुलना में दस गुना ज्यादा इफ़ेक्टवि होता है. नीम के तेल में एंटी-फंगल, एंटी-वायरल और एंटी-बैक्टीरियल गुण पाया जाता है. आप चाहें तो नीम के तेल को लैवेंडर ऑयल के साथ मिलाकर भी लगा सकते हैं.

नींबू और लौंग

एक नींबू को बीच से काट लें और उसमें कुछ लौंग धंसा दें. इस नींबू को उस जगह पर रख दें जहां मच्छरों के होने की आशंका सबसे अधिक हो. इस उपाय को करने से मक्खियां भी दूर रहती हैं.

तुलसी

अपने घर में तुलसी का एक पौधा लगा लें. तुलसी कई बीमारियों में फायदेमंद है. इसके साथ ही ये मच्छरों को दूर रखने में भी मददगार है. इसकी गंध से मच्छर घर से दूर ही रहते हैं.

लहसुन

लहसुन की 5 से 6 कलियों को कूट लें. इसे एक कप पानी में मिलाकर कुछ देर के लिए उबाल लें. इस पानी को एक स्प्रे बॉटल में भरकर घर के अलग-अलग कोनों में छिड़क दें. इसकी गंध से भी मच्छर दूर ही रहेंगे.

शराब पीने से शरीर को होते है ये नुकसान

शराब की बुराइयों और उसके नुकसान के बारे में अक्सर आप पढ़ते सुनते होंगे। डॉक्टरों के मुताबिक यकृत यानी लीवर से जुड़ी बीमारियों की मुख्य वजह शराब है। बहुत से डाक्टरों का कहना है कि यकृत की बीमारियों से बचने के लिए शराब की दुकानों पर रोक लगाई जानी चाहिए। ज्यादा शराब पीने से ये नुकसान शरीर को हो सकते हैं जो हैं-

■ ज्यादा शराब पीने लीवर और यकृत को नुकसान पहुंचता है।

■ ज्यादा शराब पीने से अल्कोहल कई अंगों पर बुरा असर डाल सकता है और 200 से ज्यादा बीमारियां पैदा कर सकता है।

■ मुंह और गले में अल्कोहल कफ झिल्ली को प्रभावित करता है, भोजन नलिका पर असर डालता है।

■ ब्रेस्ट कैंसर और आंत के कैंसर के लिए अल्कोहल भी जिम्मेदार होता है।

■ ज्यादा शराब के सेवन से पेट में अल्सर भी हो सकता है।

■ अत्यधिक शराब के सेवन से पाचन तंत्र पर काफी बुरा असर होता है।

हर वीक खुद को दें 90 मिनट और रहें फिट

मार्निंग वॉक हेल्थ के लिए कितनी जरूरी होती है, यह तो हम सभी बहुत अच्छे से जानते हैं। लेकिन सुबह की नींद के आगे हम अपनी सेहत के साथ समझौता कर लेते हैं। अगर अपने आलस को थोड़ी देर के लिए दूर कर दिया जाए, तो हम खुद को कितनी ही बीमारियों से दूर कर सकते हैं और डॉक्टर को बाय-बाय कह सकते हैं।

धीमी गति से हर रोज 15 मिनट और सप्ताह में 90 मिनट तक की शारीरिक गतिविधि किसी भी तरह से होने वाली मौत की संभावना को 14 प्रतिशत तक कम कर सकती है। यह उपाय अपनाने से व्यक्ति की आयु तीन साल तक बढ़ जाती है। यह जानकारी हार्ट केयर फाउंडेशन (एचसीएफआई) के अध्यक्ष के.के. अग्रवाल ने दी।

लांसेट में प्रकाशित एक अध्ययन का हवाला देते हुए डॉ. अग्रवाल ने बताया कि कम से कम 15 मिनट के बाद की जाने वाली हर एकस्ट्रा 15 मिनट की सैर मौत की संभावना को 4 प्रतिशत और कम कर देती है और सभी किस्म के कैंसर में यह खतरा 1 प्रतिशत तक कम हो जाता है।

उन्होंने कहा कि व्यायाम के यह सभी फायदे सभी उम्र वर्ग, लिंग और दिल के रोगियों में भी देखे गए हैं। मौजूदा निर्देशों के तहत 150 मिनट व्यायाम प्रति सप्ताह करने की सलाह दी जाती है। डॉ. अग्रवाल के मुताबिक, हल्का व्यायाम उसे कहा जाता है, जब इसके दौरान दिल की धड़कन उस स्तर पर पहुंच जाए कि आपको पसीना आए और आप थकान महसूस करते हुए भी आराम से बात कर सकें। आप बात कर सकें, लेकिन गा न सकें। इसका उदाहरण है चार मील प्रति घंटे की रफ्तार पर सैर करना।

काली चाय के बेहतरीन फायदे, जरूर जानें

दुनिया भर में चाय का शौक रखने वालें की कमी नहीं है। चाय के अलग-अलग स्वाद और प्रकार अपने-अपने फायदे के लिए जाने जाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि काली चाय भी आपके लिए बहुत फायदेमंद होती है। काली चाय से होने वाले लाभ जानना चाहते हैं, तो जरूर पढ़ें -

कैंसर काली चाय को रोजाना अपनी डाइट में शामिल कर आप प्रोस्टेट, ओवेरियन और फ़ेफड़ों के कैंसर से बच सकते हैं। काली चाय का प्रयोग शरीर में कैंसर कोशिकाओं को खत्म करने में मदद करता है। यह महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की संभावना को रोकती है साथ ही मुंह के कैंसर से भी बचाने में मदद करती है।

दिमाग के लिए दिमाग की कोशिकाओं को स्वस्थ रखने के साथ ही उनमें रक्त के प्रवाह को और भी बेहतर बनाने के लिए काली चाय पीना बहुत उपयोगी है। दिन में लगभग 4 कप काली चाय का सेवन तनाव को कम करने में सहायक है यह दिमाग को तेज की आप की याददाश्त को बढ़ाती है और आप पहले से अधिक सतर्क व सक्रिय होते हैं।

पाचन काली चाय में मौजूद टेनिन पाचन के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह गैस के अलावा पाचन संबंधी अन्य समस्याओं में भी काफी लाभदायक होती है। साथ ही दस्त या अतिसार होने पर काली चाय का सेवन बहुत फायदेमंद होता है।

हृदय के लिए फायदेमंद - जी हं काली चाय आपके दिल के लिए बेहद फायदेमंद है। रोजाना एक कप काली चाय पीना दिल की सेहत को बनाए रखने में आपकी मदद करेगा। इसमें मौजूद फ्लेवेनॉयड्स एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को कम करता है। इसके अलावा काली चाय का प्रयोग हृदय की धमनियों को स्वस्थ रखने में मदद करती है और रक्त के जमने की प्रक्रिया को भी कम करने में सहायक है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**